सान्ध्य हिन्दी दैनिक
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 141 | जौनपुर, गुरूवार, 09 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

स्वामी विवेकानंद की जयंती को देश में युवा दिवस के रूप में मनाया जाएगा : सीएम योगी

लखनऊ, (संवाददाता)। देश की राजधानी दिल्ली में 28वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव–2025 कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें शामिल होने के लिए यूपी के युवा भी जा रहे हैं। बुधवार को युवाओं को रवाना करने से पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने उन्हें संबोधित किया। सीएम ने कहा कि 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती को देश में युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने भारत को वैश्विक पहचान दिलाई। हमारी संस्कृति और समृद्ध विरासत को दुनिया तक पहुंचाया। इस साल यह आयोजन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इसमें पीएम नरेंद्र मोदी सक्रिय रूप से शामिल होंगे। सीएम ने कहा कि युवाओं को पीएम से संवाद करने का मौका मिलेगा। विश्वविद्यालयों में छात्रसंघ चुनावों के बजाय हमें युवा संसदों को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि हम अगली पीढ़ी के नेताओं को तैयार कर सकें। उनमें नेतृत्व के गुण विकसित कर सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व विद्यालयों/महाविद्यालयों में परम्परागत छात्रसंघ की बजाय युवा संसद को प्रमोट करना चाहिए, जिससे नई पीढ़ी को आगे बढ़ा सकें। नेतृत्व का गुण, समाज और अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के प्रति संवेदना होनी चाहिए। कोई भी राजनेता, प्रशासन, पुलिस अधिकारी, अन्नदाता किसान, प्रगतिशील किसान, युवा उद्यमी समेत किसी भी क्षेत्र में कार्य करे, लेकिन उसके मन में राष्ट्रीयता, मातृभूमि के लिए प्यार, जनता व नागरिकों के प्रति संवेदना नहीं है तो उसकी प्रगति का कोई मायने नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 12 जनवरी की तिथि युवा उत्सव के रूप में आती है, क्योंकि यह युवा ऊर्जा के धनी व वैश्विक पटल पर भारत की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक व युवा शक्ति को पहचान दिलाने वाले स्वामी विवेकानंद की पावन जयंती है। पीएम मोदी की प्रेरणा से पिछले कई वर्षों से युवा उत्सव का कार्यक्रम दिल्ली में होता है। इसमें अनेक कार्यक्रमों में भागीदार बनकर युवाओं को पूरे देश को जानने–सीखने का अवसर प्राप्त होता है। इस वर्ष प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री का सानिध्य व संवाद का क्षण भी प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सामने कुछ लक्ष्य रखे थे। इसमें विकसित भारत भी था। विकसित भारत में युवाओं की ऊर्जा कैसे सहायक हो सकती है। सीएम ने युवाओं से कहा कि 22/23 साल बाद जब देश शताब्दी वर्ष मना रहा होगा, तब आप भी अलग–अलग क्षेत्र में कार्य कर रहे होंगे। तब ध्यान रखना होगा कि उस समय कैसा भारत चाहिए, उस भारत के निर्माण की कार्ययोजना में कौन कौन से पहलू होंगे। जिन्हें हम आगे बढ़ाकर लेकर चल सकते हैं। विकसित भारत में युवाओं की भी क्या भूमिका होगी, इसे भी हमें देखना होगा।

चीन ने छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान का परीक्षण किया – वायुसेना प्रमुख

नई दिल्ली, (एजेंसी) ।तेजस लड़ाकू विमानों की धीमी गति से डिलीवरी पर चिंता व्यक्त करते हुए भारतीय वायुसेना (आईएएफ) प्रमुख एपी सिंह ने दुख जताया कि 2009–2010 में ऑर्डर किए गए 40 विमानों का पहला बैच अभी तक नहीं मिला है। 21वें सुब्रतो मुखर्जी सेमिनार में बोलते हुए वायुसेना प्रमुख ने जोर देकर कहा कि ऐसे समय में उत्पादन का पैमाना बढ़ाना होगा जब चीन जैसे भारत के विरोधी अपनी वायुसेना में भारी निवेश कर रहे हैं। एयर चीफ मार्शल की तीखी टिप्पणी चीन द्वारा अपने रहस्यमयी छठी पीढ़ी के स्टील्थ लड़ाकू विमान का परीक्षण करने के कुछ दिनों बाद आई है–एक ऐसी उपलब्धि जो किसी अन्य देश ने हासिल नहीं की है। सिंह ने कहा कि पहला तेजस जेट 2001 में उड़ा था, जबकि 15 साल बाद 2016 में इसे शामिल करना शुरू किया गया। तेजस की डिलीवरी में देरी पर चिंता जताई वायुसेना प्रमुख ने कहा हमें 1984 में वापस जाना चाहिए, जब हमने उस विमान की कल्पना की थी। पहला विमान 17 साल बाद 2001 में उड़ा था। 15 साल बाद 2016 में इसे शामिल करना शुरू किया गया। आज, हम 2024 में हैं। मेरे पास पहले 40 विमान भी नहीं हैं, इसलिए यह उत्पादन क्षमता है, वायुसेना प्रमुख ने कहा, यह रेखांकित करते हुए कि ष्प्रौद्योगिकी में देरी प्रौद्योगिकी से इनकार करने के बराबर है। तेजस हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित किया जा रहा एक बहुउद्देशीय हल्का लड़ाकू विमान है। इसे पुराने हो चुके मिग 21 लड़ाकू जेट की जगह लेने के लिए वायुसेना में शामिल किया जा रहा है, जिसे इसकी उच्च दुर्घटना दर के कारण ष्उड़ता हुआ ताबूतष कहा जाता है। उत्पादन एजेंसियों द्वारा उन्नत विनिर्माण प्रक्रियाओं में निवेश की आवश्यकता पर जोर देते हुए, एपी सिंह ने निजी खिलाड़ियों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया।

दिल्ली चुनाव के लिए कांग्रेस की दूसरी गारंटी, फ्री में होगा 25 लाख तक का इलाज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने जीवन रक्षा योजना स्कीम लॉन्च की. पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में दिल्ली की सत्ता में आने पर 25 लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा कवर देने का वादा करती है। यह दिल्ली की जनता के लिए कांग्रेस की दूसरी गारंटी है। इससे पहले 6 जनवरी को कांग्रेस ने श्प्यारी दीदी योजनाश नाम से एक योजना लॉन्च की थी। उस योजना के तहत दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये देने की घोषणा की गई थी. पार्टी ने कहा है कि अगर वह सत्ता में आई तो दोनों योजनाओं को प्रमुखता से लागू किया जाएगा। लॉन्च के दौरान राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि दिल्ली कांग्रेस ने आगामी चुनावों के लिए श्जीवन रक्षा योजनाश को अपने घोषणापत्र में शामिल करने का फैसला किया है। इस योजना के तहत 25 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान किया जाएगा। इसी तरह की एक पहल राजस्थान में शुरू की गई, जिसमें सभी निवासियों के लिए बिना किसी अनिवार्य शर्त या प्रतिबंध के 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज की पेशकश की गई, जिससे समावेशिता सुनिश्चित हुई। उन्होंने आगे कहा कि जीवन रक्षा योजना राजस्थान की चिरंजीवी योजना की तरह ही काम करेगी. हमने राजस्थान में श्स्वास्थ्य का अधिकार अधिनियम बनाया था। जिसमें जनता को अधिकार दिए गए और सभी अस्पतालों में यह अधिनियम लागू किया गया। यह राजस्थान में एक क्रांतिकारी योजना थी। मुझे खुशी है कि मुझे लॉन्च करने के लिए यहां बुलाया गया था जीवन रक्षा योजना, जीवन रक्षा योजना दिल्ली के लिए एक गेम चेंजर योजना होगी और हमें इसकी जानकारी जनता तक पहुंचानी होगी।

भाजपा के मंदिर प्रकोष्ठ के कई धर्मगुरु आप में शामिल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी (आप) ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली मंदिर प्रकोष्ठ यूनिट में बड़ी सेंध लगाते हुए उसके कई सदस्यों को आप में शामिल कराया है। ये सभी आम आदमी पार्टी की पुजारी ग्रंथी योजना से प्रभावित होकर आप में शामिल हुए हैं और इन्होंने केजरीवाल को आशीर्वाद देते हुए पार्टी का समर्थन करने की घोषणा की है। आम आदमी पार्टी ने भी ऐलान किया है कि वो आज अपनी सनातन सेवा समिति भी लॉन्च करेगी। पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को कई धर्मगुरुओं को आम आदमी पार्टी की सदस्यता दिलवाई और भगवा गमछा पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर आप ने ऐलान किया है कि वो आज सनातन सेवा समिति की शुरुआत करेगी। बुधवार को भाजपा के मंदिर प्रकोष्ठ के 100 से ज्यादा से सदस्यों ने केजरीवाल की उपस्थिति में आप को जॉइन किया। इस मौके पर अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में स्वास्थ्य, शिक्षा और बिजली क्रांति की शुरुआत करने के लिए परमात्मा ने हमें चुना, इसके लिए हम ऊपर वाले का धन्यवाद करते हैं। उन्होंने कहा कि रघुकुल रीत सदा चली आई, प्राण जाए पर वचन ना जाई।ष मैंने जो भी घोषणा की है वो मैं पूरी करूंगा। जो लोग सनातन धर्म और परमात्मा की सेवा में हर समय जुटे रहते हैं, उनका सम्मान और सत्कार करने का सौभाग्य हमें और आम आदमी पार्टी को मिला है। हमने संतों और पुजारियों को हर महीने 18,000 सम्मान राशि देने का ऐलान किया है और हम इसे पूरा करेंगे। इस मौके पर आचार्य मधुर दास ने आईएएनएस से खास बातचीत करते हुए कहा कि आज से आम आदमी पार्टी ने सनातन सेवा समिति की शुरुआत की है। समिति को हम लोग देखेंगे और उस पर विचार करेंगे। सनातन के कई अंग है। केजरीवाल ने कहा है कि आप हमारा मार्गदर्शन करें। आप हमें बताएं कि क्या करना है और कैसे करना है। उन्होंने कहा कि संत का कोई निजी कारण नहीं होता है। संत सिर्फ सनातन का कार्य करता है। हम इससे पहले जिसके साथ जुड़े थे, वहां पर तीन वर्षों से केवल बातें हो रही थी। इस मौके पर जगद्गुरु स्वामी अवधेश प्रपन्ना महाराज ने भी आईएएनएस से कहा कि यह सनातन है, ये हमारा भारत देश है, जो श्रद्धा और विश्वास का देश है। अरविंद केजरीवाल ने सनातन के साथ चलने का वादा किया है। सनातन के साथ चलेंगे तो हमारा सनातन जागृत हो रहा है।

आम आदमी पार्टी
फिर लायेंगे केजरीवाल

सपा सरकार बनने पर असली दोषियों को दिलाएंगे सजा - अखिलेश यादव

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि संभल में लोगों के साथ अभी भी बड़े पैमाने पर अन्याय हो रहा है। लोगों पर झूठे मुकदमे लगाए जा रहे है। जिलाधिकारी व पुलिस प्रशासन असांविधानिक काम कर रहे हैं। सपा की सरकार बनने पर संभल की घटना की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों को सजा दिलाएंगे। नेता प्रतिपक्ष विधानसभा माता प्रसाद पांडेय ने मंगलवार को प्रदेश सपा मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संभल से संबंधित अपनी रिपोर्ट को रखा। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने कहा कि जब देश में पूजास्थल अधिनियम लागू है। तब इतनी जल्दबाजी में शाही जामा मस्जिद के सर्वे की क्या जरूरत थी। भाजपा दरारवादी पार्टी है। उन्होंने कहा कि जब समाजवादी पार्टी के नेता पीड़ितों से जेल में मिलने गए तो वहां जेलर के खिलाफ जातीय भेदभाव करके कार्रवाई की गई।

भाजपा सरकार में ट्रांसफर–पोस्टिंग के रेट तय

अखिलेश यादव ने कहा कि भ्रष्टाचार को लेकर भाजपा के लखनऊ वाले दिल्ली पर और दिल्ली वाले लखनऊ पर आरोप लगवा रहे हैं। भ्रष्टाचार और उपचुनाव में हुई वोटों की लूट छिपाने के लिए सरकार संभल जैसी घटनाएं करा रही है। ट्रांसफर व पोस्टिंग से लेकर हर पद के रेट तय हैं। प्रधानमंत्री यूपी के 40 लाख करोड़ के निवेश अनुबंधों को भूल गए हैं। अब दूसरे प्रदेशों में निवेश की अपील कर रहे हैं।

आशीष पटेल के मामले में बोले–कई विभागों में इससे भी बड़े घोटाले

अखिलेश ने कहा कि गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे में भ्रष्टाचार का गोरखधंधा चल रहा है। वर्ष 2024 में जिस 91 किलोमीटर सड़क की लागत छह हजार करोड़ रुपये थी, अब उसकी लागत सात हजार करोड़ से ज्यादा की हो गई है। प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल पर भ्रष्टाचार के आरोपों पर अखिलेश ने कहा कि कई अन्य विभागों में इससे भी बड़े घोटाले हो रहे हैं।

सीएम भाजपा के सदस्य नहीं. ..

उन्होंने कहा, प्रतिदिन 50 हजार गायें कटने संबंधी बयान देने वाले विधायक से कहना चाहता हूं कि मुख्यमंत्री भाजपा के सदस्य नहीं है। इसलिए उन्हें गोकशी के खिलाफ मुख्यमंत्री आवास में घुस जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आगरा में एएसआई संरक्षित बिल्डिंग गिराने वाला ठेकेदार राजधानी में ही एक राजनेता के यहां छिपा हुआ है।

मिल्कीपुर चुनाव के लिए मीडिया का किया आह्वान

अखिलेश यादव ने कहा कि मिल्कीपुर चुनाव के लिए वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया और पत्रकारों से कहना चाहते हैं कि यहां आकर देखे कि यूपी में कितना निष्पक्ष चुनाव होता है। भाजपा संविधान नहीं मानती है। इससे पहले नेता विरोधी दल माता प्रसाद पांडेय ने बताया कि संभल में भाजपा सरकार ने घटना को दंगे का रूप दिया। संभल जाने वाले प्रतिनिधिमंडल में विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव और विधायक रविदास मेहरोत्रा भी शामिल थे।

नीतीश कुमार अपनी इच्छा से इन और आउट करते हैं : नीरज कुमार

पटना, (एजेंसी)। जेडीयू के प्रवक्ता नीरज कुमार ने बुधवार को आईएएनएस से बातचीत के दौरान पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, षबिहार के मुख्यमंत्री अपनी इच्छा से कभी इन तो कभी आउट होते हैं और जब वह आउट होते हैं, तो तेजस्वी यादव की भूमिका एक्स्ट्रा प्लेयर के तौर पर हो जाती है। जेडीयू प्रवक्ता तेजस्वी द्वारा नीतीश की प्रगति यात्रा पर किए गए ट्वीट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव उम्मीदवार खोजो यात्रा पर निकल गए हैं । क्योंकि, जमीन ऑनलाइन हो गई है। ईडी, सीबीआई सक्रिय है । लेनदेन का कोई स्कोप नहीं है। अब पकड़े जाएंगे तो नैय्या डूबेगी और डूबती नैया पर कौन सवार है। यह सभी को पता है। इनकी राजनीति में दुर्गति हो गई है। लोकसभा चुनाव 2024 के चुनाव में सभी ने देखा है। आरजेडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजनीतिक रूप से नजरबंद हैं । उन्हें राजनीतिक रूप से नाकाबिल बता दिया गया । बता दें कि नीतीश कुमार पर तेजस्वी यादव ने ट्वीट किया था। तेजस्वी ने लिखा था कि थके हुए मुख्यमंत्री ने रिटायर्ड अधिकारियों के साथ मिलकर बिहार के युवाओं की आशाओं को निराशाओं में बदल दिया है। विज्ञापनों के माध्यम से सैंकड़ों करोड़ झूठे प्रचार में फूंक रहे हैं। बिहारियों के जीवन को आबाद करने की बजाय उसे बर्बाद कर दिया है। बिहार की प्रगति को दुर्गति की अग्नि में झोंक दिया है। बेसुध सरकार और उसके मुखिया के नेतृत्व में एक बरसात में ही सैकड़ों पुल–पुलिया ढह जाते है। दो दशक से हर प्रकार की परीक्षाएं पेपर लीक और धांधली की भेंट चढ़ाई जा रही हैं। महंगाई हर घर–हर परिवार को खा रही है। छोटे बड़े व्यवसायियों का व्यवसाय बर्बादी के कगार पर है। इनके शासन में गरीबी, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पलायन में बिहार अव्वल है। प्रशांत किशोर की गिरफ्तारी और एफआईआर मामले में जेडीयू प्रवक्ता ने कहा कि उन्होंने बेल पिटीशन में आपराधिक इतिहास छुपाया है । प्रशांत किशोर को खुलासा करना चाहिए। अगर नहीं करते हैं, तो हम खुलासा करेंगे। प्रशांत किशोर को थाने से बेल दिया जा रहा था, लेकिन उन्होंने बेल नहीं लिया, क्योंकि उन्हें राजनीति करनी थी।

मिल्कीपुर में अजीत प्रसाद को जिताकर बाबा साहेब के अपमान का बदला लेंगे : अवधेश प्रसाद

अयोध्या, (एजेंसी)। अयोध्या की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की तारीख का ऐलान हो चुका है। इस सीट पर पांच फरवरी को मतदान होगा, वहीं आठ फरवरी को मतगणना होगी। मतदान की तिथि आने के बाद से ही सियासत गर्मा गई है। समाजवादी पार्टी के सांसद अवधेश प्रसाद ने कहा कि सपा और मिल्कीपुर ने ठान लिया है

अजीत प्रसाद को जीताकर बाबा साहेब अंबेडकर के अपमान का बदला लेंगे। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने बुधवार को पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि अभी हाल में राज्यसभा में जो बाबा सोहब का अपमान किया गया है वो केवल बाबा साहेब का नहीं, बल्कि संविधान और करोड़ों लोगों का अपमान है। सपा और मिल्कीपुर ने ठान लिया है कि अजीत प्रसाद को जीतकर बाबा साहेब के अपमान का बदला लेंगे। जिसके बाद पूरे देश में चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि मिल्कीपुर की जनता को प्रणाम करता हूं। जिसने 2012 में मुझे 35,000 मतों से जितवाया। मिल्कीपुर धरती को प्रणाम करता हूं। जिसने मुझे 2012 के साथ 2022 में भी हमें जितवाया। लोकसभा में भी शानदार वोटों से जितवाया। पूरे देश में पार्टी का मान बढ़ाया। हमें अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं पर पूरा भरोसा है। जनता जनार्दन का हम पर यकीन है। मेरे बेटे अजीत प्रसाद को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभी कार्यकर्ताओं और नेताओं की सहमति से यहां का उम्मीदवार घोषित किया है। उन्होंने कहा कि मैं चुनाव आयोग का अभिनंदन करता हूं। यह चुनाव विकास, एकता और आपसी भाईचारा का होगा जब अजीत प्रसाद यहां से जीत जाएगा।

यहीं से 2027 का चुनाव होना है। सपा की सरकार बनने का रास्ता साफ हो जाएगा। महंगाई दूर होगी। युवाओं को रोजगार मिलेगा। अंबेडकर का संविधान मजबूत होगा। अवधेश प्रसाद ने कहा कि कुंभ में करोड़ों लोग आएंगे। इसके बारे में उन्होंने कहा कि सपा सरकार में कुंभ का आयोजन का दुनिया के लोगों ने सराहा है। हमें उम्मीद है कि वर्तमान सरकार महाकुंभ को बहुत अच्छे ढंग से आयोजित करेगी। इसमें देश–दुनिया के लोग आएंगे, इन्हें कोई दिक्कत न हो, इनका भी नाम होगा।

ज्ञात हो कि यूपी के मिल्कीपुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में भी 5 फरवरी को उपचुनाव होगा जबकि परिणाम 8 फरवरी को आएंगे। केंद्रीय निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा चुनाव के साथ ही यूपी के मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव की भी घोषणा कर दी। हालांकि मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव की अधिसूचना 10 जनवरी को जारी की जाएगी।

हम लोग गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र बांटते थे, अब लाठीचार्ज होता है : तेजस्वी यादव

बिहार, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को सत्ताधारी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि हम लोग गांधी मैदान में नियुक्ति पत्र बांटते थे। लोगों के चेहरों पर खुशी होती थी। परिवार के लोगों में खुशी होती थी।

आज उसी गांधी मैदान में लाठीचार्ज हो रहा है। लोगों की आंखों में आंसू हैं, सिर फटा है, अस्पताल में भर्ती हैं, मुकदमा झेल रहे हैं। कार्यकर्ता दर्शन और संवाद दौराश के क्रम में बक्सर पहुंचे तेजस्वी यादव ने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि हमारी सरकार में कभी भी पेपर लीक नहीं हुआ, हमारी सरकार हटने के बाद ही ऐसा हो रहा है। मैट्रिक परीक्षा से लेकर बीपीएससी की परीक्षा तक पेपर लीक हो रहा है, लेकिन कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने महागठबंधन की सरकार में किए गए कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि नीतीश कुमार के राज में शिक्षक समान काम समान वेतन की मांग कर रहे थे तो डंडा खा रहे थे।

उनको हमने राज्य कर्मी का दर्जा दिया। सरकार को पता नहीं था कि आईटी पॉलिसी होती है? यह सब हमने शुरू कराया और स्पोर्ट्स के तहत हमने नौकरी दी।

अब लोगों को पता चला पढ़ाई के साथ खेल भी बिहार में जरूरी है। राजद नेता ने कहा कि हमारी सरकार बनी तो श्माई बहिन मान योजनाश के तहत महिलाओं को सम्मान दिया जाएगा। 200 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। वृद्धा पेंशन और सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाई जाएगी। बिहार में सरकार नाम की कोई चीज नहीं है। आज मुख्यमंत्री को हाईजैक कर लिया गया है। मुख्यमंत्री मौन हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार यात्रा निकाल रहे हैं। यात्रा पर 2 अरब 25 करोड़ खर्च हो रहा है। यह प्रगति यात्रा नहीं बिहार की दुर्गति यात्रा है। उन्होंने कहा कि टायर्ड मुख्यमंत्री रिटायड अधिकारियों के जरिए बिहार चला रहे हैं। मुख्यमंत्री यात्रा पर मुख्य सचिव को तो कहीं ले भी जा रहे हैं।

लेकिन, पुलिस महानिदेशक को नहीं ले जा रहे हैं।

संपादकीय

आधी-अधूरी शिक्षा

विकास और प्रगति के तमाम दावों के बीच यदि देश के करीब आधे स्कूल कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा से वंचित हों, स्कूल बढ़ रहे हों और दाखिले कम हो रहे हों, साथ ही विद्यार्थियों का बीच में पढ़ाई छोड़ने का आंकड़ा बढ़ रहा हो, तो इसे एक बड़ी चुनौती माना जाना चाहिए। निस्संदेह, आर्थिक विकास हमारी प्राथमिकता होता है, लेकिन यदि बुनियादी शिक्षा तमाम विसंगतियों से जूझ रही हो तो विकास की सार्थकता पर सवाल उठेंगे। सवाल खासकर वंचित समाज के बच्चों का है, जिनका बड़ा संघर्ष जीवन–यापन की प्राथमिकताओं से जुड़ा है। स्वतंत्र भारत में शैक्षिक सुधार के जो प्रयास हुए,उनका लाभ वंचित समाज को काफी अधिक हुआ है। दरअसल, सरकारी स्कूल समाज के कमजोर वर्ग की आशा के केंद्र रहे हैं। यदि आज इन समाजों के बच्चे ही शिक्षा से दूर हो रहे हैं, तो तंत्र की जवाबदेही तय होनी चाहिए। आज भी लाखों बच्चे शिक्षा पाने से वंचित हैं। हाल ही में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली की रिपोर्ट में जो आंकड़े सामने आए हैं, वे खासे चौंकाने वाले हैं। समीक्ष्य वर्ष 2023–24 की रिपोर्ट बताती है कि इससे पहले साल के मुकाबले स्कूल में दाखिलों में 37.5 लाख की कमी आई है। जहां वर्ष 2022–23 में स्कूलों में 25.17 करोड़ विद्यार्थी दर्ज थे, वहीं 2023–24 में यह संख्या घटकर 24.80 करोड़ हो गई है। यह आंकड़ा प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूल स्तर का है। वहीं समीक्ष्य अवधि में बीच में पढ़ाई छोड़ने वाले छात्रों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। जिनमें छात्राएं, वंचित व कमजोर वर्ग के बच्चे अधिक हैं। ऐसे में मंथन की जरूरत है कि शिक्षा को बढ़ावा देने के तमाम प्रयासों, नई शिक्षा नीति लागू होने, अधिक स्कूल खुलने के बावजूद छात्रों के दाखिले में कमी क्यों आ रही है। सरकार की घोषणाओं और जमीनी हकीकत के अंतर को संबोधित करने की जरूरत है। ताकि नये दाखिलों को प्रोत्साहन मिले और छात्र भी बीच में स्कूल न छोड़ें। दरअसल, जरूरत इस बात की भी कि जहां एक ओर स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता बनी रहे, वहीं स्कूलों में दाखिले को लेकर छात्रों का आकर्षण भी बना रहना चाहिए। साथ ही शिक्षा को व्यावहारिक बनाने और समय के साथ कदमताल करने की जरूरत है। वहीं दूसरी शिक्षा मंत्रालय के प्लेटफॉर्म, यूनिफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन की रिपोर्ट के यह तथ्य चिंता बढ़ाने वाले हैं कि अभी तक कुल 57 फीसदी स्कूलों में ही कंप्यूटर की सुविधा मौजूद है। वहीं दूसरी ओर 53 फीसदी स्कूलों में ही इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है। ऐसे दौर में जब ऑनलाइन पढ़ाई का खासा जोर है तो ये बच्चे भविष्य में निजी स्कूलों के छात्रों से कैसे मुकाबला कर पाएंगे? प्रतिस्पर्धा के इस दौर में उनका क्या भविष्य होगा? विडंबना यह है कि वंचित समाज व कमजोर वर्ग के परिवारों में बड़ी संख्या में ऐसे बच्चे भी हैं, जिनके पास न तो कंप्यूटर है और न ही स्मार्ट फोन। दरअसल, उनके परिवारों के जीवन यापन का संघर्ष इतना बड़ा है कि कंप्यूटर व स्मार्ट फोन उनकी प्राथमिकता नहीं बन सकते। चिंता की बात यह है कि निम्न मध्यवर्गीय लोग तो निजी स्कूलों की ओर तेजी से रुख कर रहे हैं, लेकिन कमजोर वर्ग के विद्यार्थी कहां जाएंगे? दरअसल, मौजूदा दौर में सिर्फ साक्षरता से खुश नहीं हुआ जा सकता, जरूरत गुणवत्ता की शिक्षा की भी है। ताकि स्कूल से निकलकर विद्यार्थी देश–दुनिया के साथ कदमताल कर सकें। मंथन इस बात को लेकर भी होना चाहिए कि क्यों लाखों बच्चे स्कूलों की दहलीज तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। आखिर क्यों छात्र स्कूल में दाखिला लेने के बाद पढ़ाई बीच में छोड़कर जा रहे हैं? शिक्षा का अधिकार तभी सार्थक होगा जब सामाजिक विसंगतियां दूर होंगी। यहां सवाल स्कूलों में शिक्षकों व छात्रों के अनुपात का भी है। यह ठीक है कि स्कूलों के भवनों के स्तर में सुधार हुआ है, स्कूलों में बिजली, पानी व जेंडर अनुकूल शौचालय बने हैं। लेकिन हमारी प्राथमिकता केवल स्कूलों में संरचनात्मक विकास ही नहीं होना चाहिए, बल्कि शैक्षिक वातावरण भी बच्चों की पढ़ाई के अनुकूल होना चाहिए।

दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री

संतोष

चुनाव आयोग ने दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान कर दिया है। देश के मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने मंगलवार को बतौर सीईसी अपनी आखिरी प्रेस कांफ्रेंस में दिल्ली में विधानसभा चुनाव की तारीख का ऐलान करने के साथ ही अपने ऊपर लगाए जा रहे तमाम आरोपों का भी एक–एक करके जवाब देने की कोशिश की। दिल्ली में इस बार मतदाताओं की संख्या एक करोड़ 55 लाख 24 हजार 858 है जिसमें से महिला मतदाताओं की संख्या 71 लाख 73 हजार 952 है। जाहिर तौर पर, देश के कई अन्य राज्यों की तरह दिल्ली में भी महिला मतदाता, चुनावी जीत–हार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहे हैं। हालांकि इस बार दिल्ली की चुनावी लड़ाई बहुत ज्यादा दिलचस्प होने जा रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 5 फरवरी को होने जा रहे मतदान में मुख्य मुकाबला अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी के बीच में होने जा रहा है। अरविंद केजरीवाल के लिए इस बार का विधानसभा चुनाव, उनके अस्तित्व के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण और निर्णायक चुनाव होने जा रहा है। दिल्ली के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़े और महत्वपूर्ण राज्य– पंजाब में सरकार होने के बावजूद देश की राजधानी दिल्ली का केजरीवाल के लिए अपना महत्व है। अगर केजरीवाल दिल्ली का यह विधानसभा चुनाव जीत नहीं पाते हैं तो आम आदमी पार्टी पर उनकी पकड़ कमजोर हो जाएगी और साथ ही विपक्षी इंडिया गठबंधन में भी उनका दबदबा कमजोर होता चला जाएगा। घोटाले के आरोप में जेल तक की यात्रा करने वाले अरविंद केजरीवाल यह बखूबी जानते और समझते हैं कि दिल्ली की हार एक बार फिर से उन्हें राजनीतिक रूप से अछूत बना देगी। क्योंकि विपक्षी गठबंधन की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के दौरान भले ही मजबूरी में कई राज्यों में आप के साथ गठबंधन किया था लेकिन सच्चाई तो यही है कि सोनिया गांधी इस देश की राजनीति में नीतीश कुमार और अरविंद केजरीवाल पर कतई भरोसा नहीं करती है। इस बार के दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और गांधी परिवार की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण हो गई है। वर्ष 2020 में, दिल्ली में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में भले ही कांग्रेस को सिर्फ 4.26 प्रतिशत मत मिला था और वह एक भी सीट नहीं जीत पाई थी लेकिन इस बार कांग्रेस ने पूरी ताकत के साथ दिल्ली में विधानसभा चुनाव लड़ने का संकेत दिया है। कांग्रेस आलाकमान ने नई दिल्ली विधानसभा सीट से आप के मुखिया अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय शीला दीक्षित के बेटे संदीप दीक्षित को चुनावी मैदान में उतार कर अपने इरादे साफ कर दिए हैं। कांग्रेस के वोट बैंक को छीनकर ही आम आदमी पार्टी दिल्ली में मजबूत हुई है और अब अगर कांग्रेस अपने उस छीने हुए वोट बैंक के छोटे से हिस्से को भी वापस लेने में कामयाब हो जाती है तो फिर केजरीवाल सहित आप के सभी उम्मीदवारों के लिए दिक्कतें खड़ी हो जाएगी। वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में 53.57 प्रतिशत मत के साथ आप को 62 सीटें मिली थी जबकि 38.51 प्रतिशत मत पाने के बाद भी भाजपा के खाते में सिर्फ 8 सीटें ही आ पाई थी।

आप और भाजपा के बीच 15.06 प्रतिशत का अंतर था। अगर कांग्रेस इस बार के विधानसभा चुनाव में अपने मत प्रतिशत में 8–10 प्रतिशत का भी इजाफा कर पाती है तो फिर दिल्ली में त्रिशंकु विधानसभा बन सकती है

उत्पादकता बढ़ाने के लिए तनाव प्रबंधन जरूरी

डॉ. संजय

इंफोसिस के संस्थापक एनआर नारायणमूर्ति के उस बयान पर देश में खूब बहस हुई थी जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत की आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए युवाओं को ज्यादा समय तक जीतोड़ मेहनत करने की जरूरत है। इसके लिए हर हफ्ते न्यूनतम 70 घंटे काम करना चाहिए। पूरी दुनिया में निजी कंपनियों में कंपनी के उसूलों के साथ–साथ अधिकारियों के हर आदेश का पालन करने और जरूरत से कई गुना ज्यादा काम करने के बदले मामूली वेतनवृद्धियों और छुट्टियों में कटौती आदि के प्रश्न अक्सर विमर्श में रहते हैं। इस पर भी कंपनियों के मालिक और हुक्मरान इसे लेकर जब–तब कोई उपदेश लेकर हाजिर हो जाते हैं कि कर्मचारियों को काम कितना करना चाहिए, दबाव कितना सहना चाहिए और छुट्टियां लेते हुए जीवन और काम में संतुलन कैसे बिठाना चाहिए। इस कड़ी में अडानी समूह के चेयरमैन ने हाल ही में बयान दिया है कि यह संतुलन (वर्क–लाइफ) तब होता है, जब आप अपना पसंदीदा काम करते हैं। बहरहाल, नौकरियों में बढ़ते तनाव और कार्य संस्कृति में बदलाव की जितनी बातें आज हमारे देश में कही–सुनी जा रही हैं, उन्हें देखते हुए कहा जा सकता है कि वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के साथ तालमेल बिठाने और दुनिया की ताकतवर कंपनियों से आगे निकलने का दबाव भारतीय कंपनियों पर काफी बढ़ गया है। इस दबाव का नतीजा है कि कभी तो इन कंपनियों के संचालक हर हफ्ते न्यूनतम 70 घंटे काम करने की जरूरत रेखांकित करते हैं, तो कभी नौकरी में तनाव की बात स्वीकार करने पर उन्हें काम से ही हटा देने का फरमान जारी कर दिया जाता है। देश–दुनिया में आज ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो राष्ट्र निर्माण के लिए जुनून की हद तक जुटने के पक्ष में हैं। यह पूरा विमर्श सिर्फ आबादी बहुल देशों में ही नहीं बल्कि अमेरिका–ब्रिटेन जैसे विकसित मुल्कों में भी ऐसी ही जुनूनी कार्य संस्कृति की मांग उठ रही है, ताकि वहां की अर्थव्यवस्थाओं का सुदृढ़ विकास हो सके और उद्योग व रोजगार क्षेत्र के संकटों को दूर किया जा सके। कुछ ही अरसा पहले, नोएडा की एक सैलून कंपनी ने अपने कर्मचारियों के बीच कामकाजी माहौल के बीच तनाव पैदा होने संबंधी सर्वेक्षण कराया। सौ से ज्यादा कर्मचारियों ने सर्वेक्षण में स्वीकार किया कि कामकाजी दबाव के कारण वे तनाव में हैं, तो उन कर्मचारियों को नौकरी से ही निकालने का दावा किया गया। हालांकि सोशल मीडिया पर फैसले की आलोचना के मद्देनजर कंपनी ने सफाई दी कि सर्वेक्षण का मकसद कार्यस्थल पर दबावों और तनावों से जुड़ी समस्याओं को उजागर करना था। साथ ही, जिन कर्मचारियों ने तनाव की बात कही है, उन्हें तनाव–मुक्ति नीति (डि–स्ट्रेस पॉलिसी) के तहत कुछ समय आराम करने के लिए छुट्टी और अन्य सहूलियतें दी गईं, ताकि वे नई ऊर्जा से काम में जुट सकें। बहुत मुमकिन है कि नोएडा की कंपनी का सर्वेक्षण, कर्मचारियों की प्रतिक्रिया और सोशल मीडिया पर उस कंपनी के प्रति उपजा आक्रोश एक सोची–समझी प्रचार की रणनीति (पब्लिसिटी स्टंट) हो। पर यह सच है कि भारतीय कंपनियों के संचालकों में यह अवधारणा बहुत अंदर तक पैठी हुई है कि उनके देश की कार्य संस्कृति में मूलभूत बदलावों की जरूरत है ताकि वैश्विक कंपनियों से मुकाबला किया जा सके। उनकी मानसिकता है कि भारतीय कर्मचारी कम से कम अपने देश में कम पेशेवर होते हैं। इस धारणा के मुताबिक भारतीय कर्मचारियों की आदत कामचोरी की होती है। वे आदतन आलसी होते हैं। देश के ज्यादातर सरकारी कार्यालयों में ये दृश्य बेहद आम रहे हैं कि कर्मचारी या तो वक्त पर दफ्तर नहीं आते या फिर पूरे दिन अपनी टेबल से गायब रहते हैं। यही वजह है कि अब ज्यादातर सरकारी कार्यालयों और सरकारी स्कूलों में उपस्थिति दर्ज करने की बायोमीट्रिक प्रणाली और कामकाज के आकलन के लिए उनके सालाना मूल्यांकन (अप्रेजल वाली) व्यवस्थाओं को लागू किया जा रहा है। बड़ी निजी कंपनियों में इससे ज्यादा सख्ती का माहौल है। कामकाज के सख्त मानकों को लागू करने के संबंध में नारायणमूर्ति के बयानों का समर्थन कई और कंपनी–प्रमुखों ने किया है। उनकी दलील रही कि नारायणमूर्ति कामकाजी माहौल की थकान नहीं, बल्कि समर्पण के बारे में बात कर रहे हैं। ऐसे में यदि भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाना है, तो हम पश्चिमी देशों की उस कार्य संस्कृति को अपना मानक नहीं बना, जहां हफ्ते में चार या पांच दिन या कम समय काम करना पड़ता है। यह देखते हुए कि भारत की कार्य उत्पादकता दुनिया में सबसे कम उत्पादक देशों में एक है, हमें अपनी कार्य उत्पादकता में सुधार करने की जरूरत है। ऐसा नहीं किया गया तो हम उन पश्चिमी देशों के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे, जिन्होंने बहुत अधिक प्रगति की है। सिर्फ काम को अहमियत देने और कामकाज–जीवन संतुलन को तिलांजलि देने वाले इस फॉर्मूले को ताक पर रखने वाली इस कार्य संस्कृति के समर्थकों को ऑस्ट्रेलिया जैसी व्यवस्थाएं भी नागवार गुजरती हैं जहां दफ्तर से घर आने के बाद फोन या ईमेल का जवाब देने की जरूरत राइट–टू–डिस्कनेक्ट के अधिकार के तहत महसूस नहीं की जाती। पश्चिमी देशों में कुछ अंतर और हैं। जैसे, वहां किसी भी नौकरी या व्यवसाय के तहत काम के घंटों का समायोजन इस प्रकार किया जाता है, जिससे कर्मचारी की निजी और सामाजिक जीवनशैली नकारात्मक रूप से प्रभावित नहीं हो। वर्क–लाइफ बैलेंस कायम रखने की नीति के अंतर्गत यूरोपीय–अमेरिकी देशों में सरकारें और निजी कंपनियां यह हिसाब–किताब भी रखती हैं कि कहीं कर्मचारी ने साल में जरूरत से कम छुट्टियां तो नहीं लीं। या फिर कर्मचारी आवश्यकता से अधिक समय दफ्तर में तो नहीं रुक रहा है। हालांकि आश्चर्यजनक पहलू यह है कि जब इन्हीं बहुराष्ट्रीय कंपनियों के सामने भारत स्थित अपने कार्यालयों में पश्चिमी देशों वाला कामकाजी मॉडल अपनाने का मामला आया है, तो यहां वे इससे कन्नी काटने लगी हैं। संभव है कि वजह यह है कि भारत में श्रम कानूनों के तहत कर्मचारियों को ज्यादा अधिकार नहीं मिले हैं। एक आकलन के अनुसार 50 साल पहले भारतीयों को एक हफ्ते में औसतन 39 घंटे काम करना होता था, लेकिन अब वह औसत बढ़कर 45 घंटे हो चुका है। दिल्ली–मुंबई जैसे महानगरों में तो यह औसत 60 घंटे तक पहुंच चुका है, जबकि ब्रिटेन–अमेरिका आदि विकसित मुल्कों में प्रति सप्ताह सिर्फ 34 घंटे काम करने की अपेक्षा की जाती है। अगर कंपनियां सोच रही हैं कि बेइंतिहा दबाव और तनाव पैदा करने से उत्पादकता में बढ़ोतरी संभव है तो उन्हें शोध–अध्ययनों की तरफ देख लेना चाहिए। दो दशक पहले हुए एक शोध का नतीजा यह था कि अगर कर्मचारियों को नए–नए ईमेल भेजकर या फोन से आदेश देकर दबावों और तनावों में उलझाया न जाए तो वे अपने काम पर ज्यादा ध्यान केंद्रित कर पाते हैं। किसी प्रोत्साहन (जैसे कि पांच के बजाय चार दिन काम और तीन दिन की छुट्टी के प्रावधान) में लोग खुशी–खुशी ज्यादा दबाव झेल जाते हैं। उत्पादकता बढ़ाने के लिए तनाव के प्रबंधन का यह कौशल भारत में काम कर रही कंपनियों को भी सीखना चाहिए।

न्याय प्रणाली को व्यावहारिक बनाने की पहल

डॉ. सुधीर

भारतीय न्याय संहिता, 2023 एक ऐतिहासिक पहल है जिसे भारतीय दंड संहिता, 1860 को बदलने के लिए लाया गया है। यह संहिता भारतीय न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव लाने का वादा करती है। लेकिन क्या यह वास्तव में न्याय प्रणाली में क्रांति ला पाएगी? भारतीय दंड संहिता की धारा 124ए राजद्रोह का अपराध परिभाषित करती थी। यह धारा उन लोगों को दंडित करती थी जो भारत सरकार या किसी भी राज्य सरकार के खिलाफ विद्रोह या असंतोष फैलाने का प्रयास करते थे। इस कानून के आलोचकों का मानना था कि इसका अक्सर दुरुपयोग किया जाता था। यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाता था। संहिता ने राजद्रोह के अपराध को निरस्त कर दिया है। यह एक महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय न्याय संहिता ने राजद्रोह के अपराध को हटाकर उसके स्थान पर नए अपराधों को परिभाषित किया है। ये नए अपराध देश की एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कार्यों से संबंधित हैं। इनमें शामिल हैं लोगों के बीच फूट डालने का प्रयास, सशस्त्र विद्रोह या हिंसा को भड़काना, अलगाववादी गतिविधियां, राजद्रोह कानून के निरसन को भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। इससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा मिलेगा। हालांकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि इस नए कानून का दुरुपयोग न हो। संहिता ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों के लिए दंड को कड़ा कर दिया है। इसमें बलात्कार, यौन उत्पीड़न और घरेलू हिंसा शामिल हैं। भारतीय न्याय संहिता, 2023 में बलात्कार के लिए न्यूनतम सजा बढ़ा दी गई है। साथ ही, कुछ विशेष परिस्थितियों में बलात्कार के लिए मृत्युदंड का भी प्रावधान किया गया है। यौन उत्पीड़न को गंभीर अपराध माना गया है और इसके लिए कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। अब घरेलू हिंसा के मामलों में पीड़ित महिलाओं को अधिक सुरक्षा प्रदान की जाएगी। छेड़छाड़ और पीछा करने जैसे अपराधों के लिए भी कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। शादी के वादे के झांसे में फंसाकर शारीरिक संबंध बनाने पर अब तीन साल तक की जेल की सजा हो सकती है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामलों की शीघ्र सुनवाई के लिए विशेष अदालतें स्थापित करने का प्रावधान किया गया है। ये बदलाव महिलाओं को न्याय दिलाने, सशक्त बनाने और समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान बढ़ाने में मदद करेंगे और अपराधियों को कठोर सजा दिलाएंगे। संहिता ने बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा के लिए कई नए प्रावधान जोड़े हैं। बाल यौन शोषण के मामलों में अधिकतम सजा बढ़ा दी गई है। इसके अलावा, बाल पोर्नोग्राफी को एक गंभीर अपराध माना गया है। बाल तस्करी को रोकने के लिए कड़े कानून बनाए गए हैं। बाल तस्करों को कठोर सजा दी जाएगी। बाल श्रम और बाल विवाह को पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दिया गया है। मुक्त कराए बच्चों को शिक्षा और पुनर्वास की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। भारत में बाल अपराधों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। यह संहिता बच्चों को अपराध और बच्चों को शोषण से बचाने में मदद करेगी। संहिता में साइबर अपराधों से निपटने के लिए कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं। बीएनएस ने साइबर अपराधों की परिभाषा को विस्तृत किया है, जिसमें हैकिंग, डेटा चोरी, ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर उत्पीड़न और अन्य प्रकार के साइबर अपराध शामिल हैं। यह सुनिश्चित करता है कि सभी प्रकार के साइबर अपराधों को कानून के दायरे में लाया जा सके। बीएनएस ने साइबर अपराधों के लिए कड़े दंड का प्रावधान किया है। इसमें लंबी जेल की सजा और भारी जुर्माना शामिल है। इसमें साइबर अपराध सिंडिकेट बनाने और चलाने के लिए दंड का प्रावधान शामिल है। बीएनएस में साइबर अपराधों की जांच के लिए विशेषज्ञों की नियुक्ति का प्रावधान है। इससे साइबर अपराधों की जांच में दक्षता आएगी और अपराधियों को पकड़ने में मदद मिलेगी। बीएनएस में साइबर सुरक्षा के लिए उपाय करने का प्रावधान है। इसमें महत्वपूर्ण डेटा को सुरक्षित रखने, साइबर हमलों से बचाव करने और साइबर सुरक्षा जागरूकता विस्तार के उपाय शामिल हैं। संहिता में आतंकवाद से निपटने के लिए कई नए प्रावधान जोड़े गए हैं। संहिता में आतंकवाद की परिभाषा को और अधिक व्यापक बनाया गया है, जिसमें भारत की एकता, अखंडता, संप्रभुता और आर्थिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले सभी कार्य शामिल हैं। संहिता में साइबर आतंकवाद से निपटने के लिए भी नए प्रावधान जोड़े गए हैं। संहिता में कई ऐसे प्रावधान हैं जो न्याय प्रणाली में गति ला सकते हैं। न्यायिक प्रक्रिया में सुधार के लिए लगातार अनुसंधान और विकास पर जोर दिया गया है। न्यायिक अधिकारियों और कर्मचारियों को आधुनिक तकनीक और प्रक्रियाओं के बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। जमानत की शर्तों को आसान बनाया गया है ताकि बेगुनाह लोग जेल में लंबा समय न बिताएं। निश्चित रूप से यह सकारात्मक कदम भारतीय न्याय प्रणाली को मजबूत बनाने में मदद करेगा।

नक्सलवाद को खत्म करने के तमाम दावों के बीच छत्तीसगढ़ की धरती एक बार फिर लहूलुहान

अजय

सोमवार को बस्तर में बीजापुर जिले में नक्सलियों ने फिर एक बड़ी घटना को अंजाम दिया है। एक ऑपरेशन से लौट रहे जिला रिजर्व गार्ड के एक वाहन को आईईडी का इस्तेमाल कर नक्सलियों ने उड़ा दिया। जिला रिजर्व गार्ड या डीआरजी राज्य पुलिस की एक इकाई है और इसमें ज्यादातर स्थानीय आदिवासियों और आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को भर्ती किया जाता है। यानी कहा जा सकता है कि नक्सलियों ने इस बार अपने ही पूर्व साथियों और उन निर्दोष स्थानीय आदिवासियों को निशाने पर लिया है, जो दो पाटों में फंसे हुए हैं। सुरक्षा और जांच एजेंसियों की निगाहें उन पर रहती हैं और वहीं नक्सली उन पर संदेह की निगाह रखते हैं। सोमवार को हुए नक्सली हमले में 8 जवान और एक ड्राइवर की शहादत हुई है। हमला बीजापुर जिले के बेदरे–कुटरू रोड पर हुआ। बताया जा रहा है कि विस्फोट इतना जबरदस्त था कि जवानों का वाहन कई मीटर ऊपर उछल गया और जमीन में 8–10 फीट गहरा गड्ढा बन गया। धमाके के बाद शव और गाड़ी के टुकड़े 20 फीट के दायरे में बिखर गए। अधिकारियों का कहना है कि आईईडी काफी पुराना था और उस पर घास उग आई थी। विस्फोट में उड़े बारुद की गंध अभी हवा में बिखरी हुई है और इधर घटना पर घिसी–पिटी प्रतिक्रियाओं और आरोप–प्रत्यारोप का दौर शुरु हो चुका है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शहीदों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए माओवादियों के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। साय ने कहा, शनक्सली हताशा में कायरतापूर्ण कृत्य कर रहे हैं। वे बस्तर में नक्सल विरोधी अभियानों से निराश हैं। जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा, नक्सलवाद को खत्म करने के लिए हमारी लड़ाई मजबूती से जारी रहेगी। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, शबीजापुर (छत्तीसगढ़) में आईईडी ब्लास्ट में डीआरजी के जवानों को खोने की सूचना से अत्यंत दुखी हूं। वीर जवानों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। इस दुख को शब्दों में व्यक्त कर पाना असंभव है, लेकिन मैं विश्वास दिलाता हूं कि हमारे जवानों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। हम मार्च 2026 तक भारत की भूमि से नक्सलवाद को समाप्त करके ही रहेंगे। इससे पहले जब 3 अप्रैल 2021 को बीजापुर–सुकमा जिले की सीमा पर नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में 21 जवानों की शहादत हुई थी, तब भी श्री शाह ने कहा था कि नक्सलियों को सही वक्त आने पर मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। पिछले साल अमित शाह ने मार्च 2026 तक नक्सलियों के सफाए का दावा किया था। खुशी की बात है कि वे अब भी अपने इस दावे पर कायम हैं। हालांकि इससे पहले 2018 में तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने अगले तीन सालों यानी 2021 तक नक्सलवाद को खत्म करने के दावे किए थे और उनसे पहले यूपीए सरकार में गृहमंत्री पी. चिदम्बरम ने 2010 में दावा किया था कि 2013 तक नक्सलवाद को खत्म कर देंगे। खुद प्रधानमंत्री मोदी ने छत्तीसगढ़ में ही चुनाव प्रचार के दौरान अप्रैल 2024 में कहा था कि वे नक्सलवाद को जड़ से खत्म कर देंगे। हर नक्सल घटना को कायरतापूर्ण हरकत करार देते हुए मुंहतोड़ जवाब देने और नक्सलियों को खत्म करने के दावों की सूची तैयार की जाए तो वह काफी लंबी बन जाएगी। इस सूची में कांग्रेस और भाजपा दोनों सरकारों के दावे एक जैसे ही हैं। दोनों दलों की सरकारें चाहे केंद्र में रही हों या राज्य में, नक्सलवाद की चिंता से छत्तीसगढ़ मुक्त नहीं हो पाया है, ये एक कड़वी सच्चाई है। अलबत्ता इसके लिए जो योजनाएं बनाई जा रही हैं, उन्हें लुभावने नाम देकर अनाप–शनाप खर्च किया जाता है। 2015 में ही मोदी सरकार ने देश के नक्सल प्रभावित इलाकों के लिए नेशनल पॉलिसी और एक्शन प्लान तैयार किया था, जिसके तहत करीब दर्जन भर योजनाएं लाई गईं। इनका मकसद नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ना था। इससे पहले 2011 में तत्कालीन प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने नक्सलवाद को देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताते हुए कहा था कि विकास ही उग्रवाद को खत्म करने का सबसे अच्छा तरीका है। हाल ही में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय ने एक साक्षात्कार में बताया था कि नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों के लिए सरकार ने नियाद नेल्लनार योजना लागू की है, जिसका स्थानीय भाषा में अर्थ होता है शआपका अच्छा गांवश। उन्होंने कहा था कि इस योजना के तहत हम लगातार सुरक्षा शिविर खोल रहे हैं। अब तक 34 सुरक्षा शिविर खोले गए हैं, जिनमें लगभग 96 गांव शामिल किए गए हैं। इन गांवों में सड़क, बिजली, पानी, मोबाइल टावर, राशन कार्ड, आधार कार्ड और अन्य सरकारी योजनाएं प्राथमिकता के आधार पर पहुंचाई जा रही हैं। मुख्यमंत्री का दावा है कि बड़ी संख्या में नागरिक इन योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। अच्छी बात है कि मुख्यधारा से कटे इलाकों तक भी सरकारी योजनाएं पहुंच रही हैं, लेकिन इसके बावजूद नक्सलवाद क्यों बरकरार है, अब इस सवाल पर गंभीरता से और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विचार करने की जरूरत है। नक्सली अपनी समानांतर सत्ता स्थापित करने और सरकार से विरोध जताने के लिए निर्दोष नागरिकों के साथ–साथ सुरक्षा बलों को निशाने पर लेते रहते हैं। उनका यह हिंसक रवैया किसी तरह जायज नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि न स्थानीय नागरिक न जवान सरकारी नीतियां बनाते हैं या सरकार चलाते हैं। वे केवल अपना कर्तव्य निभाते हैं। वहीं सरकारें भी नक्सलियों को खत्म करने के नाम पर जो ऑपरेशन चलाती हैं, उनमें निर्दोष लोगों की बलि कई बार चढ़ती है। मुठभेड़ों के नाम पर मासूम ग्रामीण चपेट में आ जाते हैं। यह सिलसिला कई बरसों से चल रहा है और जब मानवाधिकार संगठनों से जुड़े लोग इन पर सवाल करें तो उन्हें देशद्रोही करार देने में गुरेज नहीं किया जाता।

लेकिन न ग्रामीण आदिवासियों का शोषण रुका, न जल, जंगल, जमीन पूंजीवाद के निशाने से बच रहे हैं और सैकड़ों जवानों की शहादत, अरबों रुपए खर्च होने के बावजूद नक्सलवाद खत्म नहीं हो रहा है। हालात तभी सुधरेंगे, जब दोनों पक्षों में निरंतर संवाद हो और विश्वास का वातावरण बने। इसके लिए सभी राजनैतिक दलों को मिलकर एक साथ कोशिश करनी होगी।

रामगढ़ शेखावाटी में हुआ कला कुंभ का आयोजन राजस्थान दैनिक देश की उपासना

–कवि हरीश शर्मा ने बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान पर आधारित कविता का किया काव्य पाठ, कवि योगेश वशिष्ठ ने औज काव्य पाठ तो हास्य कवि प्रमोद झुरिया ने अपनी हास्य कविताओं से श्रोताओं को किया लॉटपोट, गिरधारी, रमेश ने मायड़ भाषा व शरद, बुद्धिप्रकाश आदि ने किया काव्य पाठ।

रामगढ़ शेखावाटी । नववर्ष के उपलक्ष्य पर रामगढ़ शेखावाटी की धरती पर किस्सेदारियाँ परिवार ने राष्ट्रीय कवि संगम और शेखावाटी साहित्य संगम के सहयोग से कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्कृत विद्यालय में "कला कुंभ" नामक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र साहित्य वार्ता में लेखक वक्ता अमित झालानी ने सभी उपस्थित श्रोताओं को संबोधित किया। द्वितीय सत्र में वरिष्ठ कवि योगेश वशिष्ठ ने औज काव्य पाठ किया, वहीं वरिष्ठ कवियों की श्रृंखला आगे बढ़ाते हुए गिरधारी, रमेश ने मायड़ भाषा में काव्य पाठ किया,शरद, बुद्धिप्रकाश आदि ने काव्य पाठ किया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में लक्ष्मणगढ़ के कवि हरीश शर्मा ने किस्सेदारिया मंच को समर्पित ष्माँ बाबूजी के जाने के बाद बच्चों पर आ जाती हैं घर की जिम्मेदारिया ओर आज जिस मंच ने मुझे जगह दी हैं उसका नाम हैं किस्सेदारियाष से शुरुआत करते हुए बेटा पढ़ाओ–संस्कार सिखाओ अभियान, दादी माँ की मार्मिक कविता एवं पर्यावरण बचाओ का संदेश दिया। कार्यक्रम की अगली कड़ी में हास्य कवि प्रमोद झुरिया ने अपनी हास्य कविताओं से श्रोताओं को लॉटपोट किया। उभरते कवियों और शायरों ने कार्यक्रम को और भी रोचक बनाया, जिनमें कृष्ण कांत बटोही, भगवती पारीक "मनु", ऋतु, दिनेश, लक्की सांखला, प्रियंका चौहान, कैमी राजपूत, रचना, प्रियंका और अन्य कई कवियों ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की अगली कड़ी में निखिल, मोहित, कृष्ण प्रजापत और अन्य नए संगीतकारों ने अपने गायन और वाद्य यंत्रों से चार चांद लगाए। साथ ही कृतिका बजाज, हर्षिता लोसनिया और कुछ अन्य कलाकरों ने कला प्रदर्शनी के माध्यम से चित्रकारिता के विभिन्न पहलुओं को दर्शाया। मंच का कुशल संचालन दिनेश भारती द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का आयोजन में कष्सिेदारिया परिवार के गोकुल भारती, खुशवंत शर्मा, कृष्ण कांत बटोही और शिवम ने किया। रामगढ़ शेखावाटी और शेखावाटी अंचल के विभिन्न स्थानों के गण मान्यजनों ने कार्यक्रम में शिरकत कर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर संजय हरितवाल, विष्णु शर्मा, राहुल सैनी खूड़ी, चंदन पुजारी, अर्जुन शर्मा भी मौजूद रहें।

पीयूष बंसल ने 5 करोड़ रुपये में एनओओई की नियंत्रक हिस्सेदारी खरीदी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शार्क टैंक इंडिया 4 में दर्शकों को उस वक्त एक ऐतिहासिक पल देखने का मौका मिला, जब पीयूष बंसल ने शो के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा चेक लिखा। उन्होंने प्रीमियम लाइफस्टाइल और एसेसरी ब्रांड एनओओई में नियंत्रण हिस्सेदारी खरीद ली। यह महत्वपूर्ण निवेश भारतीय स्टार्टअप्स पर शो के बढ़ते प्रभाव को दिखाता है। पीयूष सूरी और नितिका पांडे द्वारा शुरू किया गया एनओओई अपने स्टाइलिश और पर्यावरण के अनुकूल प्रोडक्ट्स के लिए दुनिया भर में मशहूर हो रहा है। इस ब्रांड को प्रतिष्ठित रेड डॉट डिजाइन अवार्ड जैसे सम्मान मिल चुके हैं और यह अब 9 देशों में मौजूद है। एनओओई एक बहुत ही खास नाम है और इसे ष्नेवर ऑड ऑर इवेन वाक्य से लिया गया है। यह वाक्य उल्टा पढ़ने पर भी वही रहता है, इसे पैलेंड्रोम कहते हैं। यह नाम इस बात को दिखाता है कि एनओओई सभी लोगों को एक जैसा मानती है और दुनिया भर के लोगों को अपनी ओर आकर्षित करना चाहती है। जब पीयूष ने इस कंपनी के बारे में सुना तो वे इसके नए उत्पादों और दुनिया के अलग–अलग देशों में फैलने की क्षमता से बहुत प्रभावित हुए। हालांकि, साथी शार्क अमन गुप्ता ने मजाक में पीयूष को ज्यादा हिस्सेदारी रखने की सलाह दी, लेकिन 5 करोड़ रुपये में 51ः इक्विटी का ऑफर फाउंडर्स के लिए बेहद आकर्षक साबित हुआ। एनओओई के को–फाउंडर पीयूष सूरी ने डील पर अपनी खुशी का इजहार करते हुये कहा, ''यह सिर्फ एक डील नहीं है, बल्कि एक रोमांचक सफर की शुरूआत है। 'शार्क टैंक इंडिया' जैसे प्लेटफॉर्म ने हमारे जैसे व्यवसायों को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने का मौका दिया है। पीयूष का निवेश एनओओई के लिए एक नए अध्याय की शुरुआत है, और हम उन्हें अपने साझेदार के रूप में पाकर बेहद उत्साहित हैं। उनकी विशेषज्ञता और मार्गदर्शन के साथ, हमें विश्वास है कि एनओओई नई ऊंचाइयों को छुएगा और अनगिनत उद्यमियों को अपने सपनों को पूरा करने का प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा।'' शार्क टैंक इंडिया के सीजन 4 ने शार्क्स का एक शानदार पैनल बनाया है। इनमें शामिल हैं पीपुल ग्रुपके फाउंडर और सीईओ अनुपम मित्तल, बोट लाइफस्टाइल के को–फाउंडर और सीएमओ अमन गुप्ता, एम्क्योर फार्मास्युटिकल्स की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर नमिता थापर, ओयो के फाउंडर और ग्रुप सीईओ रितेश अग्रवाल, लेंसकार्ट के को–फाउंडर और सीईओ पियूष बंसल, शुगर कॉस्मेटिक्स की को–फाउंडर और सीईओ विनीता सिंह, इनशॉर्ट्स के को–फाउंडर और चेयरमैन अजहर इकबाल, एको के फाउंडर और सीईओ वरुण दुआ, स्नैपडील और टाइटन कैपिटल के को–फाउंडर तथा यूनिकॉमर्स के प्रमोटर कुणाल बहल और वीबा वीआरबी कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर विराज बहल। देखिये 'शार्क टैंक इंडिया 4', हर सोमवार से शुक्रवार, रात 8 बजे, सिर्फ सोनी लिव पर!

अंचल प्रमुख महाप्रबंधक रंजीव कुमार ने केनरा बैंक की एंजेल योजना के विषय पर विस्तार से ग्राहकों को समझाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अंचल प्रमुख महाप्रबंधक रंजीव कुमार ने केनरा बैंक की एंजेल योजना के विषय पर विस्तार से ग्राहकों को समझाते हुए कहा कि केनरा बैंक की नींव उनकी ग्राहक सेवा पर आधारित है। केनरा बैंक ग्राहक सम्मेलन का आयोजन क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ–1 द्वारा बैंक के प्रीमियम ग्राहको के मध्य होटल दयाल पैराडाइज गोमती नगर में किया गया, जिसके बाद डिनर पार्टी का आयोजन किया गया। केनरा बैंक सभी योजनाएं जो महिलाओं के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा लागू की जाती है, सदैव उन योजनाओं को लागू कर महिलाओ के उत्थान के लिए अग्रणी रहा है। इसी क्रम में बैंक ने महिलाओं के लिए अपनी उत्कृष्ट योजना केनरा एंजल शुरू की है। यह योजना सभी महिलाओं के बीच बहुत लोकप्रिय हुई है। जहां बैंक सभी महिला ग्राहकों को कैंसर के इलाज के लिए 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा दे रहा है, बशर्ते वे एक निश्चित राशि शेष रखें। केनरा बैंक एकमात्र बैंक है जो महिलाओं के लिए यह प्रतिष्ठित योजना प्रदान कर रहा है। किसी अन्य बैंक में महिलाओं के लिए इस प्रकार की योजना नहीं है। ग्राहकों के बीच बैंक की अन्य योजनाओं पर चर्चा की गई। ग्राहकों ने स्वास्थ्य बीमा और अन्य मुद्दों के बारे में बैंक अधिकारियों के साथ बातचीत भी की है। बैठक में अंचल प्रमुख महाप्रबंधक रंजीव कुमार, उप महाप्रबंधक संजय कुमार, प्रदीप कुमार आर और राजेश केएस , सहायक महाप्रबंधक एस के त्रिवेदी, मनीष कुमार मौजूद थे।

अपोलोमेडिक्स अस्पताल ने दुर्लभ सर्जरी द्वारा 14 वर्ष बाद खोले जुड़े हुए जबड़े, पहली बार युवक ने खाया खाना

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ में एक दुर्लभ और जटिल सर्जरी द्वारा 14 साल से बंद पड़े जबड़े को खोलकर मरीज को एक नई जिंदगी दी। बचपन की चोट के कारण रोगी का मुंह 5–6 साल की उम्र से ही पूरी तरह बंद था और उसके जबड़े आपस में जुड़ से गए थे जिस कारण रोगी पिछले 14 वर्षों से न ही खाना खा पा रहा था और न ही सही ढंग से कुछ बोल पा रहा था। यह चुनौतीपूर्ण सर्जरी अस्पताल के प्लास्टिक, कॉस्मेटिक और पुनर्निर्माण सर्जरी विभाग के डायरेक्टर और प्रमुख डॉ. सुमित मल्होत्रा और प्लास्टिक सर्जरी कंसल्टेंट डॉ. सौरभ मोहिंद्रू की टीम ने की। डॉक्टर सुमित मालहोत्रा ने मीडिया को इस मामले के बारे में बताते हुए कहा, ष्संत कबीर नगर, उत्तर प्रदेश के रहने वाले 19 वर्षीय आदित्य पिछले 14 वर्षों से बंद जबड़े के साथ हमारे अस्पताल आए थे जो पिछले 14 वर्षों से कोई ठोस भोजन नहीं खा पा रहे थे और पूरी तरह से तरल आहार पर थे। इसने उनके विकास और बोलने की क्षमता को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया। रोगी ने बहुत से अस्पतालों में दिखाया लेकिन उसे कोई संतोषजनक उपचार नहीं मिल सका। यह मरीज हमारे पास डेंटल साइंसेज विभाग में आया। जांच में पाया गया कि बचपन में लगी चोट के कारण उसका टेम्पोरल मैंडिबल जॉइंट (ज्मउचवतंस डंदकपइसम श्रवपदज) क्षतिग्रस्त हो गया था, जिसके चलते जबड़ा पूरी तरह से बंद हो गया था। इसके बाद मरीज को प्लास्टिक सर्जरी विभाग में रेफर किया गया, जहां हमारी टीम ने अत्याधुनिक 'मसल फ्लैप' तकनीक का उपयोग करके इस बंद जोड़ का उपचार किया। इस तकनीक द्वारा जबड़े की नसों में सक्रिय रक्त आपूर्ति के साथ मांसपेशियों को जोड़कर यह सुनिश्चित किया गया कि जबड़े का

Apollomedics

जोड़ फिर से न जुड़ने पाए। यह प्रक्रिया, जो उत्तर भारत में बहुत ही कम होती है, एक अत्यंत जटिल सर्जरी है। डॉ. मल्होत्रा ने आगे बताया, "हमारी तकनीक ने सुनिश्चित किया कि मरीज का जबड़ा सामान्य रूप से कार्य करे और भविष्य में इसमें कोई जटिलता न पैदा हो।" डॉ. सौरभ मोहिंद्रू ने कहा, "सर्जरी के बाद, मरीज 14 वर्षों में पहली बार ठोस भोजन जैसे रोटी आदि खाने में सक्षम हुआ। सर्जरी से उसकी मुंह खोलने की क्षमता काफी बेहतर हुई है, जिससे भोजन और बोलने जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में सुधार हुआ है। ऐसी सर्जरी में टीम वर्क, सटीकता और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है और हमें प्रसन्नता है कि हम सब कुछ एक साथ संयोजित कर मरीज की सामान्य जिंदगी बहाल करने में सफल हुए।" डॉ. अमिता अग्रवाल, एचओडी, डेंटल साइंसेज ने कहा, ष्इन मामलों में रिकवरी प्रक्रिया में 2–3 सप्ताह की फिजियोथेरेपी आवश्यक होती है। शुरुआत में मरीज को मुंह खोलने में असुविधा या हिचकिचाहट हो सकती है, लेकिन नियमित अभ्यास से लचीलापन और ताकत पूरी तरह से वापस आ जाएगी और उनका जबड़ा पहले की तरह सामान्य रूप से कार्य कर पायेगा । डॉ. मयंक सोमानी, एमडी और सीईओ, अपोलोमेडिक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने कहा, ष्यह सर्जरी केवल एक चिकित्सकीय सफलता नहीं है, बल्कि मरीज के लिए जीवन को बेहतर बनाने वाला एक अनुभव है। इससे न केवल उसकी कार्यक्षमता बल्कि आत्मविश्वास भी वापस आया है, जिससे वह एक सामान्य जीवन जीने में सक्षम हुआ है। सर्जरी के बाद जब मरीज ने पहली बार भोजन का स्वाद चखा, तो यह उसके और उसके परिवार के लिए बहुत भावुक क्षण था। यह हमारी टीम की एक बड़ी उपलब्धि है।यह केस हमारे द्वारा मरीजों की पूरी देखभाल और इलाज में नई तकनीकों के प्रयोग के हमारे प्रयासों का उदाहरण है।

'उद्यान विभाग द्वारा एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया आयोजन'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जिला उद्यान अधिकारी सुभाष चन्द्र ने बताया है कि विगत दिवस जनपद में संचालित पर ड्रॉप मोर क्रॉप (माइकोइरीगेशन) योजनान्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्र बावन रोड, हरदोई के प्रशिक्षण केन्द्र पर 50 कृषकों के समूह का एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक डा० ए०के० तिवारी, वैज्ञानिक डा० डी०बी० सिंह, डा० प्रिया वशिष्ठ, एग्रोनामिस्ट (रिवुलिस इरीगेशन) आशुतोष सिंह एवं इंजीनियर अतुल चौधरी, उपस्थित रहे। इसी के साथ जनपद में राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत मूल्यांकन हेतु उ०प्र० शासन से आई टीम के सदस्य आलोक जायसवाल, ए०एस०ओ०, दीपचन्द्र आर्य, ए०डी०एस०टी०ओ०, अश्वनी मिश्रा, ए०एस०ओ० नियोजन अनुभाग ने भी प्रशिक्षण में आये कृषकों से प्रश्नोत्तरी एवं साक्षात्कार किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में योजना के बारे में विस्तृत रुप से बताया गया कि कृषक सूक्ष्म सिंचाई पद्धति एवं फव्वारा सिंचाई पद्धति का बागवानीध् शांकभांजीध्कृषि फसलों में अपनाकर भू–जल का संचयन कर सकेगें साथ ही पौधों की सिंचाई पर उपयोग होने वाली मात्रा का सदुपयोग कर गुणवत्तायुक्त उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि कर सकते हैं और लागत में कमी लाकर अपनी उपज से अधिक लाभ अर्जित कर सकते हैं। आशुतोष सिंह, एग्रोनामिस्ट (रिवुलिस इरीगेशन) द्वारा प्रोजेक्टर के माध्यम से कार्यक्रम में आये कृषकों को ड्रिपधस्प्रिंकलर विधि से सिंचाई के सम्बंध में तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा भी कृषकों को सिंचाई पद्धति, बीजों की बुवाई, फर्टीगेशन विधियों, कीटों से फसलों के बचाव आदि से सम्बंधित विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कृषक इस विधि का प्रयोग कर अपनी आय में बढ़ोत्तरी कर सकता है। प्रशिक्षण में आये प्रत्येक कृषक को प्रशिक्षण बैग, पेन, पैड, तकनीकी साहित्य वितरित किये गये। अन्त में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कृषकों को प्रमाण–पत्र वितरित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

इंडियन बैंक के लखनऊ अंचल प्रबंधक प्राणेश कुमार एवं पराग लखनऊ मंडल अध्यक्ष शिखा सिंह तोमर ने एमओयू का आदान-प्रदान किया

"MOU SIGNING CEREMONY"
Between
INDIAN BANK
&
Lucknow Producers Cooperative Milk Union Limited (Parag)
SIGNING CEREMONY
Shikha
Pranesh

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पराग मंडल कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में इंडियन बैंक की ओर से दुग्ध उत्पादन करने वाले किसानों के लिए तैयार किए गए विशेष डिजिटल उत्पाद औपचारिक रूप से एमओयू का हस्ताक्षर उपरांत आदान –प्रदान किया गया।इस कार्यक्रम में पराग मंडल की ओर से महाप्रबंधक विकास बाल्यान एवं इंडियन बैंक की ओर से लखनऊ अंचल प्रबंधक प्राणेश कुमार ने एमओयू पर हस्ताक्षर किया। जिसकी प्रति अंचल प्रबंधक लखनऊ प्राणेश कुमार एवं पराग मंडल अध्यक्ष शिखा सिंह तोमर ने एक दूसरे को प्रदान कीद्य इस कार्यक्रम में लखनऊ पराग अधिकारी नीलेश श्रीवास्तव तथा पराग सुपरवाइजर सहित इंडियन बैंक मवई शाखा प्रबंधक अमित वर्मा एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। इंडियन बैंक लखनऊ के अंचल प्रमुख श्री प्राणेश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश भारत में सबसे तेज गति से विकास के पथ पर अग्रसर राज्य है द्य इसे स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में इंडियन बैंक भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है द्य उन्होंने कहा कि इस एमओयू के द्विपक्षीय निष्पादन से हम अपने कृषक ग्राहकों को, जो कि पराग प्लांट में दुग्ध उपलब्ध करा रहे हैं, उन्हें डिजिटल माध्यम से रु. 2 लाख तक कृषि ऋण (किसान क्रेडिट कार्ड) बिना किसी कोलेटरल उपलब्ध करवाने की दिशा में एक अहम कदम है, जिससे दुग्ध उत्पादन में सहयोग करके किसानों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने एवं पराग तक ज्यादा से ज्यादा दुग्ध उपलब्धता कराने में सहयोग प्रदान किया जा सके। अंचल प्रबंधक श्री प्राणेश कुमार ने पराग अधिकारियों का स्वागत करते हुए बताया कि आज उत्तर प्रदेश में हमारी कुल 1081 शाखाएं, 536 एटीएम , 4343 बी सी लोकेशन तथा 6469 टच पॉइंट का विस्तृत नेटवर्क है द्य श्री प्राणेश ने कहा कि इंडियन बैंक में ग्राहकों आवश्यकता के अनुसार डिजिटल प्रोडक्ट डिजाइन किए जा रहे हैं ताकि हम ग्राहकों को प्रभावशाली और त्वरित सेवा दे सकें। मुख्य महाप्रबंधक लखनऊ सुधीर कुमार गुप्ता ने एमओयू की सफलता के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं एवं सभी किसानों को इसका बढ़चढ़ कर लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

'गौसेवा के भाव के साथ गोवंश संरक्षण के मिले अच्छे परिणाम – जिलाधिकारी'

37549
241569
75±18 m

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' जनपद के पशुपालन विभाग का गोवंश के साथ भावनात्मक रिश्ता उस समय दिखा जब उन्होंने गोवंश को ठण्ड से बचाने के लिए नये बछड़ों को अपने पुराने कपड़े पहनाये। नये बछड़ों को ठण्ड से बचाने का यह नायाब तरीका लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गोसेवा के भाव के साथ गोवंश संरक्षण के अच्छे परिणाम मिले हैं। इसके साथ ही जनपद की गौशालाओं में अलाव की पर्याप्त व्यवस्था की गयी है। गोवंश को टाट से बनी झूल भी उढ़ाई जा रही है। कुछ गौशालाओं में हीटर की भी व्यवस्था की गयी है। जिलाधिकारी ने पिछले दो वर्षों के दौरान गौशालाओं पर विशेष ध्यान दिया है। गौशालाओं की व्यवस्थाओं में उत्तरोत्तर सुधार हुआ है। सभी गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे लगाये गये हैं। कंट्रोल रूम से लगातार गौशालाओं की निगरानी हो रही है। गोवंश संरक्षण में जनपद हरदोई ने अन्य जनपदों के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है।

फॉर्मर रजिस्ट्री की संख्या में जनपद प्रदेश में दूसरे स्थान पर

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

नये वर्ष की शुरुआत में जब से फॉर्मर रजिस्ट्री को लेकर जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मोर्चा संभाला है तब से इस कार्य में एक अभूतपूर्व तेजी देखी गयी। दैनिक प्रगति की बात की जाये तो नये वर्ष के पहले दिन से ही जनपद लगातार प्रथम स्थान पर रहा है। फॉर्मर रजिस्ट्री की कुल संख्या के मामले में जनपद अब प्रदेश में दूसरे स्थान पर पहुँच गया है। इसके लिए एक ओर जहाँ किसानों को जागरूक करने का कार्य किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर जिलाधिकारी तथा अन्य प्रशासनिक व विभागीय अधिकारियों द्वारा लगातार कार्य का निरीक्षण किया जा रहा है। कार्य में लगे कर्मचारियों में लगातार जोश भरने का कार्य भी किया जा रहा है। सरकारी कर्मचारियों के साथ ही कॉमन सर्विस सेंटरों के संचालक भी लगातार कड़ी मेहनत कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अच्छा कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जाये तथा लापरवाह कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाये।

एक हजार नए फायर फाइटर भर्ती होंगे : मनोज वर्मा

नागरिक सुरक्षा कोर लखनऊ उ
(गृह मंत्रा
प्रखण्ड - च
की ओर से

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ सिविल डिफेंस में और तेजी लाने के लिए अगले तीन महीने में प्रखंड चौक में एक हजार नए फायर फाइटर की भर्ती की जाएगी। ये बात लखनऊ सिविल डिफेंस के सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर मनोज वर्मा ने एक बैठक के दौरान कही। उपनियंत्रक अनिता प्रताप की उपस्थिति व चीफ वार्डन अमरनाथ मिश्रा के नेतृत्व में लखनऊ सिविल डिफेंस अपने कार्यों से नित नए आयाम स्थापित कर रहा है। इसी कड़ी में सिविल डिफेंस लखनऊ के प्रखंड चौक की नव वर्ष पर कंट्रोल रूम में आयोजित बैठक में अगले तीन महीने में एक हजार नए फायर फाइटरो की भर्ती का निर्णय लिया गया। राष्ट्रपति पदक से अलंकृत लखनऊ सिविल डिफेंस के सीनियर असिस्टेंट डिप्टी कंट्रोलर मनोज वर्मा ने बताया कि नववर्ष 2025 पर प्रखंड चौक की मासिक बैठक आयोजित की गई, जिसमे बड़ी संख्या में वार्डेनो ने प्रतिभाग किया। बैठक के दौरान प्रखंड की गतिविधियों को और बढ़ाने के लिए नए और युवा फायर फाइटर भर्ती करने पर चर्चा की गई। प्रखंड के डिविजनल वार्डन सुनील कुमार शुक्ला ने पुराने और निष्क्रिय फायर फाइटर के स्थान पर नए फायर फाइटर की भर्ती पर सहमति जताई। जिसके बाद बैठक में उपस्थित समस्त वार्डेनो को निर्देश दिए गए कि योजनाबद्ध तरीके से अगले तीन महीने में एक हजार नए फायर फाइटर की भर्ती करना सुनिश्चित करे। जिसके लिए प्रखंड के सभी दस पोस्ट वार्डन अपने क्षेत्र में स्थित विद्यालयों में संपर्क करे। सुनील शुक्ला ने सेक्टर वार्डेनो से कहा कि वो लक्ष्य के अनुरूप अपने सेक्टर में 15 वर्ष से ऊपर के व शारीरिक रूप से मौजूद लड़के और लड़कियों को सिविल डिफेंस से जुड़ने हेतु प्रेरित कर फायर फाइटर के रूप में भर्ती करने के अभियान में जुट जाएं। नववर्ष पर आयोजित प्रथम बैठक में प्रखंड के डिप्टी डिविजनल वार्डेन जावेद जैदी, जगदीश यादव, घटना नियंत्रण अधिकारी सईद अख्तर, पोस्ट वार्डन इसरार अहमद, रितेश पटेल, अमर कुमार, मनोज तिवारी, रानी, राखी बहेलिया, आदि उपस्थित रहे।

केक काटकर 4.37 करोड़ पूरा करने का मनाया जश्न

अयोध्या मण्डल ने अर्जित किया भारत मे पहला स्थान

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। सुमन पाण्डेय, राजेश वर्मा, पूनम सिंह रही अवल्ल तो नूतन सिंह, स्वाती, राजेश यादव रहे दूसरे स्थान पर 8 जनवरी को डाक जीवन बीमा के अभियान में अयोध्या मण्डल ने एक दिन में 4.37 करोड़ प्रीमियम जमा कराकर पूरे भारत मे प्रथम स्थान अर्जित किया जिसका प्रधान डाकघर अयोध्या में अधिकारियों एवं डाक कर्मचारियों ने अयोध्या मण्डल के प्रवर अधीक्षक डाकघर हरे कृष्ण यादव ने 4 फ्लोर का केक काटकर जश्न मनाया । पोस्टमैन व डाक सहायक बहुत उत्साहित नजर आये श्री यादव ने इस अवसर पर सभी पोस्टमैन व डाक सहायक सहित ग्रामीण डाक सेवकों की तारीफ करते हुए कहा कि सभी के सहयोग से अयोध्या मण्डल का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित हुआ है । आज ग्राहकों के बीच मे अन्य बीमा कम्पनियों के अपेक्षा डाकघर का विश्वास ही 4357 नये ग्राहकों को जोड़कर 933 करोड़ का प्रस्ताव करते हुए 4.37 करोड़ प्रीमियम एक दिन में जमा कराने में सफल हुआ है । बताते चलें कि राष्ट्रीय स्तर पर उत्तर प्रदेश ने 12.93 करोड़ की प्रीमियम जमा करवाया दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र ने 2.88 करोड़ जमा करवाया है । मुख्य विपणन अधिकारी सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि सर्वाधिक अयोध्या प्रधान डाकघर की सुमन पाण्डेय ने 33.56 लाख, उप डाकघर में टाण्डा तहसील के राजेश वर्मा ने 6.66 लाख कोटसराय शाखा डाकघर की पूनम सिंह ने 3.42 लाख जमा कराकर मण्डल में पहला स्थान अर्जित किया वहीं अकबरपुर प्रधान डाकघर की नूतन सिंह ने 18.89 लाख रुदौली उप डाकघर की स्वाती ने 5.44 जगतपुर के राजेश यादव 2.99 लाख जमा कराकर दूसरा स्थान अर्जित किया । समारोह में सहायक अधीक्षक मनोज कुमार, ओमेश्वर, निरीक्षक राजेश्वर दूबे, हरिमोहन सिंह, अभिषेक तिवारी, गौरव सोनी, अभिनव गुप्ता, अमित कुमार सहित सैकड़ों मौजूद रहे

पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप का हुआ फाइनल मैच, उज्बेकिस्तान ने दोहरा खिताब कब्जाया

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ स्थित केडी सिंह बाबू स्टेडियम में मंगलवार को आईएचएफ ट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल चौंपियनशिप का फाइनल मैच खेला गया। उज्बेकिस्तान की यूथ अंडर–18 टीम ने आईएचएफ ट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल (कांटिनेंटल फेज – एशिया) का खिताब मेजबान भारत को 47–23 से हराकर जीता। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में आयोजित चौंपियनशिप में भारत की यूथ टीम उपविजेता रही। जबकि, जूनियर टीम ने कांस्य पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के समापन पर के रविंद्र नायक (आईएएस, प्रमुख सचिव, सचिवालय प्रशासन), वीके सिंह (आईपीएस, अपर पुलिस महानिदेशक), सुहास एल वाई (आईएएस, सचिव खेल, उत्तर प्रदेश शासन) व विराज सागर दास (अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन) ने विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। मौके पर हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डॉ. आनन्देश्वर पांडेय ने अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल के निर्माण की सराहना करते हुए भविष्य में और भी बड़े आयोजन कराने का आश्वासन दिया। अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी

इस अवसर पर हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह, आईएचएफ से टेक्निकल डेलीगेट यूएई से सालेह मोहम्मद सईद, विनय कुमार सिंह, डॉ. सुधर्मा सिंह, अमित पांडेय समेत अन्य मौजूद रहे। आज यूथ वर्ग के फाइनल में भारत के खिलाफ शुरू से ही उज्बेकिस्तान ने अटैकिंग गेम दिखाया। लगातार गोल दागते हुए अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी। उज्बेक खिलाड़ियों ने अनुभव व फुर्ती के सहारे पहले हॉफ में मेजबान के खिलाफ 25–13 से बढ़त बना ली।

मध्यांतर तक उज्बेकिस्तान 17–6 से आगे था

भारतीय खिलाड़ियों ने कई मौकों पर आक्रामक खेल दिखाया लेकिन मिले मौकों को वो भुना नहीं सके। इसके चलते उज्बेक खिलाड़ियो ने अंतर बढ़ाते हुए 47–23 से जीत हासिल की। विजेता टीम से योरकुलोव ने नौ, तुर्गुनोव कुवोंचबेक ने सात, सफारोव ने आठ व अब्दुकरिमोव ने छह गोल किए। भारत की ओर से रवि ने सात, अंशु व प्रवीण गिल ने पांच–पांच और मनीष यादव ने चार व सुयश अवस्थी ने दो गोल किए। जूनियर वर्ग के फाइनल में उज्बेकिस्तान ने कजाखिस्तान को 38–18 से हराया।

मध्यांतर तक उज्बेकिस्तान 17–6 से आगे था।

वादिम कैसिन ने सर्वाधिक 15 गोल किए

उज्बेकिस्तान से एशकुलोव जलोलिद्दीन ने आठ, राखत जोल्दास्बाएव ने छह व रहिमोव ने पांच गोल किए। कजाखिस्तान से मिखाइल सालमोव व आजीजान रकीमजानोव ने पांच–पांच गोल किए। इससे पूर्व तीसरे स्थान के मैच में भारतीय जूनियर अंडर–20 टीम ने बांग्लादेश को 40–24 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत मध्यांतर तक 17–9 से आगे था। भारत के लिए जसप्रीत सिंह व मोहित ने सर्वाधिक 9–9 गोल दागे। यूथ अंडर–18 में तीसरे स्थान के मैच में कजाखिस्तान ने कांस्य पदक जीता जिसने बांग्लादेश को 33–29 से हराया। विजेता टीम से वादिम कैसिन ने सर्वाधिक 15 गोल किए।

चुनाव आयोग ने प्रकाशित की नई मतदाता सूची 18.85 लाख नाम जोड़े... 8.6 लाख हटाए गए

लखनऊ, (संवाददाता)। चुनाव आयोग ने 12 दिसंबर तक विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता सूची के लिए आवेदन और आपत्तियां मांगी थीं। एक जनवरी 2025 के आधार पर विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाया गया था। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा (सीईओ) ने बताया कि प्रदेश में कुल 162462 मतदेय स्थल हैं। अंतिम रूप से प्रकाशित सूची में मतदाताओं की संख्या 15,35,37,430 हो गई। जोड़े गए मतदाताओं में 8,90,546 पुरुष, 9,94,792 महिला और 108 तृतीय लिंग के वोटर हैं। उन्होंने बताया कि सूची के प्रारूप के प्रकाशन के समय जेंडर रेशियो (स्त्री–पुरुष अनुपात) 874 था, जो अंतिम प्रकाशित नामावली में 876 हो गई। 18–19 आयु वर्ग के मतदाताओं के कुल 4.84 लाख नाम जोड़े गए, जो कुल जोड़े नामों का 25.6 प्रतिशत है। वर्तमान में 18–19 आयु वर्ग के कुल मतदाताओं की संख्या 16.23 लाख है। सूची में कुल 12.83 लाख दिव्यांग मतदाता हैं। सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद अब प्रदेश में 8,18,38,679 पुरुष, 7,16,92,507 महिला और 6,244 थर्ड जेंडर मतदाता हैं। रिणवा ने बताया कि अंतिम प्रकाशित मतदाता सूची सभी मतदेय स्थलों पर एक सप्ताह तक आम लोगों के लिए प्रदर्शित की जाएगी।

स्कूल के लिए निकले प्रिंसिपल जहरखुरानी के शिकार, बदहवास हालात में लौटे घर

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी की राजधानी लखनऊ में पारा के पश्चिम विहार कॉलोनी निवासी डॉ. कृष्ण कुमार सिंह मंगलवार को संदिग्ध हालात में लापता हो गए। वह गोंडा के नवाबगंज स्थित गांधी इंटर कॉलेज में प्रिंसिपल हैं। मंगलवार सुबह छह बजे वह घर से उबर कैब कर पॉलीटेक्निक चौराहे के लिए निकले थे। इसके बाद कमता से गोंडा के लिए जा रही एक निजी कार में बैठ गए। इसी दौरान वह जहरखुरानी का शिकार हो गए। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह के मुताबिक डॉ. कृष्ण कुमार की पत्नी डॉ. बबिता ने बताया कि मंगलवार सुबह उन्होंने पति को कॉल की तो फोन बंद मिला। स्कूल प्रबंधन से संपर्क किया गया तो कोई जानकारी नहीं मिल सकी। परिजनों और स्कूल प्रबंधन ने कई जगह खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। परेशान होकर डॉ. बबिता ने पारा थाने में शिकायत की।

पुलिस ने पूछताछ शुरू की

उन्होंने अनहोनी की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग की है। इसके बाद पुलिस ने छानबीन शुरू की तो उनकी लोकेशन दोपहर में मल्लावां अमेठी में मिली। इसके बाद उनका फोन फिर से बन्द हो गया। पुलिस ने छानबीन शुरू की। पुलिस पड़ताल कर ही रही थी कि डॉ कृष्ण कुमार मंगलवार रात बदहवास हालत में घर पहुंच गए। पुलिस को जानकारी मिली तो पूछताछ शुरू की गई।

यात्रियों ने भी चाय पीने की इच्छा जताई

प्रिंसिपल ने बताया कि कमता के पास जिस कार में वह बैठे थे उसमें पहले से दो लोग और बैठे थे। अयोध्या रोड पर कुछ देर चलने के बाद चालक ने गाड़ी दूसरी दिशा में मोड़ ली। प्रिंसिपल के टोकने पर उसने कहा कि टोल टैक्स बचाने के लिए वह इस रास्ते से जा रहा है। कुछ दूर आगे जाने के बाद चालक ने चाय पीने के नाम पर गाड़ी रोक दी। साथ में पहले से बैठे दोनों यात्रियों ने भी चाय पीने की इच्छा जताई।

खाते से 1.20 लाख ट्रांसफर कर लिए

चालक ने प्रिंसिपल को चाय लाकर दी। उन्होंने मना की तो पहले से बैठे दोनों सवारियों ने उनपर दबाव बनाया। इसके बाद उन्होंने चाय पी ली, उसके बाद उन्हें होश नहीं आया। आरोपी उनको मल्लावां के पास सड़क किनारे फेंककर भाग निकले। इससे पहले उनके खाते से एक लाख 20 हजार रुपये भी ट्रांसफर कर लिए। काफी देर में बाद होश में आने पर प्रिंसिपल बस और टेम्पो कर के किसी तरह चारबाग और फिर बुद्धेश्वर पहुंचे। वहां से घर जाकर आपबीती बताई।

इंटर कॉलेज के प्रिंसिपल हुए जहरखुरानी का शिकार

लखनऊ, (संवाददाता)। पारा की पश्चिम विहार कॉलोनी निवासी डॉ. कृष्ण कुमार सिंह मंगलवार को संदिग्ध हालात में लापता हो गए। वह गोंडा के नवाबगंज स्थित गांधी इंटर कॉलेज में प्रिंसिपल हैं। मंगलवार सुबह छह बजे वह घर से उबर कैब कर पॉलीटेक्निक चौराहे के लिए निकले थे। इसके बाद कमता से गोंडा के लिए जा रही एक निजी कार में बैठ गए। इसी दौरान वह जहरखुरानी का शिकार हो गए। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह के मुताबिक डॉ. कृष्ण कुमार की पत्नी डॉ. बबिता ने बताया कि मंगलवार सुबह उन्होंने पति को कॉल की तो फोन बंद मिला। स्कूल प्रबंधन से संपर्क किया गया तो कोई जानकारी नहीं मिल सकी। परिजनों और स्कूल प्रबंधन ने कई जगह खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। परेशान होकर पारा थाने में शिकायत की। पुलिस ने छानबीन शुरू की तो उनकी लोकेशन दोपहर में मल्लावां अमेठी में मिली। इसके बाद उनका फोन फिर से बंद हो गया। पुलिस पड़ताल कर ही रही थी कि डॉ. कृष्ण कुमार मंगलवार रात बदहवास हालत में घर पहुंच गए। पूछताछ में उन्होंने बताया कि कमता के पास जिस कार में बैठे थे उसमें पहले से दो लोग थे। अयोध्या रोड पर कुछ देर चलने के बाद चालक ने गाड़ी दूसरी दिशा में मोड़ ली। टोकने पर कहा कि टोल टैक्स बचाने के लिए ऐसा कर रहा है। चाय पीने के बाद नहीं रहा होश

चालक ने चाय पीने के नाम पर गाड़ी रोक दी। चाय पीने के बाद उन्हें होश नहीं आया। आरोपी उनको मल्लावां के पास फेंककर भाग निकले। इससे पहले उनके खाते से 1.20 लाख रुपये भी ट्रांसफर कर लिए। काफी देर बाद होश में आने पर प्रिंसिपल बस और टेंपो कर चारबाग और फिर बुद्धेश्वर पहुंचे। पुलिस बुधवार को पीड़ित से विस्तृत पूछताछ के बाद आरोपियों की तलाश में जुटेगी।

आरोपी बदर के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी

लखनऊ, (संवाददाता)। नाका के होटल शरणजीत में पत्नी और चार बेटियों की हत्या के मामले में आरोपी आगरा निवासी बदर के खिलाफ नाका पुलिस ने गैरजमानती वारंट कोर्ट से हासिल किया है। अब जल्द उसके खिलाफ इनाम भी घोषित किया जाएगा। आगे कुर्की की कार्रवाई भी की जा सकती है। तमाम कोशिशों के बावजूद नाका पुलिस आरोपी को पकड़ने में नाकाम रही। बदर की तलाश में नाका पुलिस व क्राइम ब्रांच की चार टीमें लगी हैं। डीसीपी मध्य रवीना त्यागी ने बताया कि कई जगहों पर दबिश दी गई, पर आरोपी बदर हाथ नहीं लगा। उसके पास कोई मोबाइल फोन नहीं है, ऐसे में उसकी लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रही है। लखनऊ की लोको चौकी के पास बदर का फुटेज मिला था। इसके बाद वह कानपुर रेलवे स्टेशन के पास देखा गया था। फिर उसका कुछ पता नहीं चल सका। फिलहाल आगरा, संभल और दिल्ली सहित कई जगहों पर पुलिस की टीमें बदर की तलाश में खाक छान रही हैं। नाका के गुरुनानक मार्केट स्थित होटल शरणजीत के कमरा नंबर–109 में एक जनवरी की देर रात आगरा के इस्लामनगर टेढ़ी बगिया कुबैरपुर निवासी अस्मा, उनकी बेटी आलिया, अल्शिय, अक्सा और रहमीन की हत्या कर दी गई थी। हत्या अस्मा के बेटे अरशद ने पिता बदर के साथ मिलकर की थी। बृहस्पतिवार सुबह आरोपी अरशद ने पिता को चारबाग के पास छोड़ा और फिर लोको चौकी पहुंचकर मां व बहनों की हत्या करने की बात पुलिस वालों को बताई थी। पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया था।

रोक के बावजूद रेलवे स्टेशन परिसर में दो लोगों ने पढ़ी नमाज

लखनऊ, (संवाददाता)। सार्वजनिक स्थानों पर नमाज पढ़ने से शासन के मना करने के बावजूद अमेठी में जायस रेलवे स्टेशन परिसर में दो लोगों ने नमाज पढ़ी। इस वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने इसे आरपीएफ का मामला बताया है। वहीं स्टेशन पर तैनात एक अधिकारी ने कहा कभी–कभी लोग परिसर में नमाज पढ़ लेते हैं। फिलहाल वायरल वीडियो के मामले में कोई जानकारी नहीं है। जायस रेलवे स्टेशन परिसर में गेट के सामने दो लोगों ने बारी–बारी से नमाज पढ़ा। इसका वीडियो भी सामने आया है। बताया जा रहा है कि सोमवार को कुछ लोग रेलवे स्टेशन से ट्रेन पकड़ने के लिए आए थे। इसी बीच उन्होंने रेलवे स्टेशन के मुख्य गेट के बाहर नमाज पढ़ी। सिविल पुलिस का कोई संबंध नहीं मामले में जायस थाना के एसएचओ रवि सिंह ने कहा कि इससे सिविल पुलिस का कोई संबंध नहीं है। रेलवे स्टेशन आरपीएफ के क्षेत्र में आता है। वहीं रेलवे स्टेशन पर तैनात अधिकारी मधुकर कुमार ने कहा कि मामले की जानकारी अभी हुई है। क्योंकि हम लोग ड्यूटी के दौरान ऑफिस से बाहर नहीं जा पाते हैं। भाजपा आईटी सेल के संयोजक अंशु तिवारी ने कहा कि जायस रेलवे स्टेशन पर नमाज पढ़ी गई है। जो सही नहीं है। इस तरह से करना आपसी सौहार्द को बिगाड़ने के काम है। ऐसे मामले में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। नमाज पढ़ने वालों की पहचान हुई सूत्रों की मानें तो वीडियो वायरल होने के बाद मामले में पुलिस भी एक्टिव हुई है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर नमाज पढ़ने वालों की पहचान कर ली है। हालांकि आरपीएफ के जिम्मेदार मामले में कोई भी बयान देने से बच रहे हैं।

बकाया बिल पर कटा बिजली कनेक्शन तो लाइनमैन को पीटा

लखनऊ, (संवाददाता)। मड़ियांव में बिजली बिल बकाया होने पर कनेक्शन कटने से नाराज दबंगों ने मंगलवार को सीतापुर के मदूरी गांव निवासी लाइनमैन इंद्रपाल को बल्ली से पीट दिया। बचाव करने पर आरोपियों ने लाइनमैन सुमित को भी पीटा। इंद्रपाल के दाहिने पैर की जांघ की हड्डी टूट गई। अस्पताल में ऑपरेशन के बाद जांघ में लोहे की रॉड डाली गई है। मामले में पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। दाउदनगर उपकेंद्र में तैनात इंद्रपाल के मुताबिक उपभोक्ता पुष्पा का 58 हजार रुपये बिल बकाया था। 28 दिसंबर को जेई आकर्ष श्रीवास्तव व लाइनमैन सुमित सिंह ने उनका कनेक्शन काट दिया था। इससे चिढ़कर पुष्पा के बेटे श्रीकांत व एक अज्ञात ने उसी रात करीब आठ बजे बाइक से घर जा रहे सुमित को पकड़ लिया। सुमित पर दबाव डालकर इंद्रपाल को मंदिर के पास बुलवाया। इंद्रपाल का आरोप है कि रात करीब नौ बजे जब मंदिर के पास पहुंचे तो श्रीकांत ने उनके दाएं पैर पर बल्ली से हमला कर दिया। वह गिर गए। फिर उन्हें व सुमित को साढ़े चार घंटे तक बंधक बनाया और जमकर पीटा। आरोपियों के जाने के बाद किसी तरह दोनों घैला चौकी पहुंचे। परिजनों ने इंद्रपाल को भर्ती कराया। इंस्पेक्टर शिवानंद मिश्रा ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

डंपर की टक्कर से हड्डी टूटने का बनाया दबाव

पीड़ित का आरोप है कि श्रीकांत ने सुमित पर दबाव बनाते हुए कहा कि इंद्रपाल की हड्डी डंपर से टकराने के कारण टूटी है। विरोध पर सुमित की फिर पीटा था। साथी ने इसका वीडियो भी बना लिया था।

एचएमपीवी से डरें नहीं, पर सतर्कता जरूरी

लखनऊ, (संवाददाता)। केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सूर्यकांत के मुताबिक चीन की रहस्यमय बीमारी ह्यूमन मेटान्यूमो वायरस (एचएमपीवी) से डरने की नहीं, बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। विभागाध्यक्ष के मुताबिक चीन से आ रही जानकारी के अनुसार एचएमपीवी के लक्षण 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों, बुजुर्गों और गर्भवती महिलाओं में ही दिख रहे हैं। ये मामले गुआंगदोंग प्रांत समेत उत्तरी चीन के हिस्से में अधिक मिल रहे हैं। इसी तरह का पैटर्न कोरोना के दौरान देखने को मिला था, इसलिए हमें सतर्क रहना चाहिए। एचएमपीवी वायरस में भी कोविड–19 जैसे लक्षण हैं और यह सामान्य बुखार की दवाओं से ठीक हो सकता है। इसमें भी सर्दी–जुकाम की समस्या होती है। यह संक्रमण खांसी, बुखार, नाक बंद होने और सांस लेने में परेशानी का कारण बन सकता है। गंभीर मामलों में यह ब्रोंकाइटिस और निमोनिया का कारण बन सकता है। एचएमपीवी को लेकर सभी को सचेत रहने की जरूरत है, लेकिन बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और कमजोर इम्युनिटी वाले रोगियों को संक्रमण का खतरा ज्यादा है। डॉ. सूर्यकांत के मुताबिक कोई भी संक्रामक बीमारी मरीजों से फैलती है। खांसते और छींकते वक्त मुंह पर रुमाल रखें और मास्क पहनें। भीड–भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचें। हाथों को बार–बार साबुन से धोएं। संक्रमित व्यक्ति से दूरी बनाकर रहें और किसी से मिलते वक्त हाथ मिलाने से बचें।

ईंट से कूचकर श्रमिक की हत्या... लोगों में आक्रोश, ग्रामीणों ने मार्ग जाम कर किया हंगामा

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी के रायबरेली में दिहाड़ी श्रमिक की ईंट से कूचकर हत्या कर दी गई। उसका शव उमरन बाजार में एक दुकान के सामने डालकर हत्यारे फरार हो गए। शव के पास चाकू भी बरामद हुआ है। घटना क्षेत्र में सनसनी फैल गई। एक सप्ताह के अंदर हत्या की दूसरी घटना से लोगों में आक्रोश फैल गया और ग्रामीणों ने मार्ग जाम कर दिया है। वहीं पुलिस मामले की जांच कर रही है। मामला सलोन थाना क्षेत्र के उमरन गांव का है। गांव निवासी रामखेलावन पासी उर्फ घसीटे (50) पुत्र बदलू गांव में ही रहकर मजदूरी करते थे। मंगलवार की शाम वह गेहूं की सिंचाई कर घर लौटे थे। कुछ देर बाद बाजार जाने की बात कहकर घर से निकले फिर वापस नहीं लौटे। सुबह उमरन बाजार में एक दुकान के सामने उनका खून से लथपथ शव पड़ा मिला। पुलिस घटना की जांच में जुटी सिर पर ईंट से कई वार किए गए थे।

व्यापार में साझेदार बनाने का झांसा देकर महिला से 8.50 लाख ऐंठे

लखनऊ। गोमतीनगर के विराजखंड–4 निवासी किरनबाला यादव ने विभूतिखंड थाने में मऊ के हलधरपुर निवासी मुनीब कुमार के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने खुद को राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन का संचालक बताया था। व्यापार में साझेदार बनाने का झांसा देकर उनसे 8.50 लाख रुपये हड़प लिए। किरनबाला के अनुसार, सालभर पहले मुनीब से मुलाकात हुई थी। उसने उनके मकान में कार्यालय खोलने के बात कही। कार्यालय खुलने पर आरोपी ने उन्हें कृषि व्यापार में साझेदार बनने का झांसा दिया था। दोनों ने गोमतीनगर विस्तार केनरा बैंक शाखा में संयुक्त खाता खोला। फिर उन्होंने खाते में 2.50 लाख रुपये ट्रांसफर किए ।

स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर 22 लाख ठगे

लखनऊ, (संवाददाता)। शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर जानकीपुरम की जानकी विहार कॉलोनी निवासी दिव्याकर सिंह से जालसाजों ने 16.25 लाख रुपये ठग लिए। इसके अलावा विभूतिखंड निवासी आरती प्रजापति से स्टॉक मार्केट में निवेश के नाम पर जालसाजों ने 5.73 लाख रुपये ऐंठ लिए। दोनों ही पीड़ितों ने तीन जनवरी को साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है। दिव्याकर के अनुसार 11 सितंबर को उनको स्टॉक स्ट्रैटजी एक्सचेंज ग्रुप ए–15 नाम के ग्रुप से जोड़ा गया। स्टॉक मार्केट में निवेश पर मोटा मुनाफा दिलाने की बात कही गई। कुछ रुपये निवेश करने पर मुनाफे के साथ रकम लौटाई गई। इसके बाद जालसाजों ने कई बारे में 16.25 लाख रुपये निवेश करवा लिए। जब रकम निकालने की कोशिश की तो उनसे और रुपयों की मांग की गई। मूलरूप से प्रयागराज के आदमपुर निवासी आरती प्रजापति विभूतिखंड की कस्टम्स एंड सेंट्रल एक्साइज कॉलोनी में रहती हैं। कुछ वक्त पहले उनको बी–6 बुल स्टॉक स्टडी नाम के ग्रुप से जोड़ा गया और कई बार में 5.73 लाख रुपये निवेश कराकर ठग लिए गए।

अब वर्ल्ड रैंकिंग के लिए काम करे पीजीआई : राज्यपाल

लखनऊ, (संवाददाता)। एसजीपीजीआई के नैक में ए प्लस प्लस ग्रेडिंग हासिल करने के उपलक्ष्य में मंगलवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में राजभवन में विशेष बैठक हुई। उन्होंने पीजीआई निदेशक व उनकी टीम को बधाई देने के साथ कहा कि अब संस्थान को वर्ल्ड रैंकिंग के लिए काम करना चाहिए और अन्य विश्वविद्यालयों को नैक की तैयारी में मार्गदर्शन देना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि नैक की तैयारी के दौरान पीजीआई टीम ने एक परिवार की तरह मिलकर काम किया। पीजीआई को सफलता की कहानी अन्य विश्वविद्यालयों के साथ साझा करने के लिए भी कहा। आनंदीबेन ने कहा, वर्ष 2022 से अब तक राज्य के आठ विश्वविद्यालयों को ए प्लस प्लस ग्रेड, 04 विश्वविद्यालयों को ए प्लस ग्रेड तथा एक विवि को ए ग्रेड मिला है। यह उपलब्धियां राज्य के शैक्षणिक और स्वास्थ्य संस्थानों की गुणवत्ता को दर्शाती हैं। बैठक में अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा डॉ. पंकज एल जानी थे।

युवक पर जानलेवा हमले के मामले में मड़ियांव पुलिस की लापरवाही उजागर

लखनऊ, (संवाददाता)। मड़ियांव के नौबस्ता पुलिया स्थित दुकान में दाढ़ी बनवाने गए शिवम पर कैंची व उस्तरा से हमले के मामले में मड़ियांव पुलिस की लापरवाही उजागर हुई है। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा बढ़ाते हुए दोनों आरोपी भाइयों को गिरफ्तार किया है। मड़ियांव के गायत्री नगर, नौबस्ता पुलिया निवासी शिवम सोनी तीन जनवरी की रात करीब 10 बजे मोहल्ले में ही चंद्रशेखर की दुकान दाढ़ी बनवाने गए थे। वहां चंद्रशेखर और उसके भाई अनमोल शर्मा से किसी बात पर विवाद हो गया।

जेहटा पुलिस चौकी के पास सराफ की दुकान में चोरी

लखनऊ, (संवाददाता)। दुबग्गा के जेहटा चौराहे के पास सोमवार देर रात दो बजे लक्ष्मी नारायण ज्वैलर्स की दुकान का शटर तोड़कर चार नकाबपोश चोर जेवरात चोरी कर ले गए। पुलिस दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद चोरों की तलाश में लगी है। घटना से स्थानीय दुकानदारों में आक्रोश है। आरोप है कि दुकान से 50 मीटर दूर चौकी पर तैनात पुलिसकर्मियों को घटना की भनक तक नहीं लगी। दुकान में काम करने वाले युवक ने बताया कि चौकी पर तैनात पुलिसकर्मी को कॉल की गई, पर पुलिस वालों ने फोन नहीं उठाया। इसके बाद पुलिस कंट्रोल रूम पर सूचना दी गई। दस मिनट में डायल–100 तो पहुंच गई, पर एक घंटे बाद इंस्पेक्टर और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। मलिहाबाद के मिर्जागंज निवासी युवराज वर्मा ने छह माह पहले माल रोड जेहटा चौराहे पर दुकान खोली थी। उनके मुताबिक सोमवार रात वह दुकान बंद कर घर चले गए।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।